IndianLawNotes.com

§

Environmental Law

पर्यावरण कानून

SHORT ANSWER NOTES

Adv. Prem Kumar Nigam

Mob. 9758516448

Environmental law पर्यावरण कानून :

1. पर्यावरण संरक्षण अधिनियम, 1986 क्या है और इसका उद्देश्य क्या है?

उत्तर: पर्यावरण संरक्षण अधिनियम, 1986 भारत में पर्यावरण की रक्षा और सुधार के लिए बनाया गया एक प्रमुख कानून है। इसे भोपाल गैस त्रासदी (1984) के बाद लागू किया गया था। इसका मुख्य उद्देश्य प्रदूषण को नियंत्रित करना, पर्यावरण की गुणवत्ता बनाए रखना और सतत विकास को बढ़ावा देना है। यह अधिनियम सरकार को पर्यावरण को नुकसान पहुंचाने वाली गतिविधियों को रोकने, प्रदूषण नियंत्रण मानकों को तय करने और दोषियों पर दंड लगाने की शक्ति प्रदान करता है। इसके तहत जल, वायु, भूमि और अन्य प्राकृतिक संसाधनों की रक्षा के लिए आवश्यक नियम और प्रावधान बनाए गए हैं।

2. जल (प्रदूषण निवारण और नियंत्रण) अधिनियम, 1974 का महत्व क्या है?

उत्तर: जल (प्रदूषण निवारण और नियंत्रण) अधिनियम, 1974 भारत में जल संसाधनों को स्वच्छ बनाए रखने के लिए लागू किया गया एक महत्वपूर्ण कानून है। इसका उद्देश्य नदियों, झीलों, तालाबों और अन्य जल निकायों को प्रदूषण से बचाना है। यह अधिनियम प्रदूषण फैलाने वाले उद्योगों और कारखानों पर सख्त नियंत्रण रखता है और जल प्रदूषण रोकने के लिए केंद्रीय और राज्य प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (CPCB और SPCB) की स्थापना का प्रावधान करता है। यदि कोई व्यक्ति या उद्योग जल को प्रदूषित करता है, तो उसे दंडित किया जाता है। यह अधिनियम जल को स्वच्छ बनाए रखने और मानव स्वास्थ्य की सुरक्षा सुनिश्चित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है।

3. वायु (प्रदूषण निवारण और नियंत्रण) अधिनियम, 1981 किस प्रकार पर्यावरण संरक्षण में सहायक है?

उत्तर: वायु (प्रदूषण निवारण और नियंत्रण) अधिनियम, 1981 भारत में वायु गुणवत्ता बनाए रखने और वायु प्रदूषण को कम करने के लिए बनाया गया एक कानून है। इस अधिनियम के तहत सरकार को वायु प्रदूषण फैलाने वाले स्रोतों जैसे कारखानों, वाहनों और औद्योगिक इकाइयों पर नियंत्रण रखने का अधिकार प्राप्त है। यह अधिनियम प्रदूषकों की सीमा तय करता है और प्रदूषण नियंत्रण उपायों को लागू करने के लिए केंद्रीय और राज्य प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड को सशक्त बनाता है। इस कानून के तहत यदि कोई उद्योग वायु गुणवत्ता मानकों का उल्लंघन करता है, तो उसे दंडित किया जा सकता है। यह अधिनियम स्वच्छ वायु सुनिश्चित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है।

4. वन (संरक्षण) अधिनियम, 1980 का उद्देश्य क्या है और यह कैसे लागू होता है?

उत्तर: वन (संरक्षण) अधिनियम, 1980 का मुख्य उद्देश्य भारत में वनों की रक्षा करना और वनों की अंधाधुंध कटाई को रोकना है। इस अधिनियम के तहत सरकार बिना अनुमति के वनों को काटने या उनके उपयोग में बदलाव करने पर रोक लगाती है। यदि किसी परियोजना के लिए वन भूमि का उपयोग किया जाना है, तो इसके लिए केंद्र सरकार की पूर्व अनुमति आवश्यक होती है। यह अधिनियम वनों की जैव विविधता को संरक्षित रखने, वन्य जीवों के आवास को बचाने और पारिस्थितिकी तंत्र को संतुलित बनाए रखने में मदद करता है। इसके तहत अवैध रूप से पेड़ों की कटाई करने या वन भूमि का दुरुपयोग करने वाले व्यक्तियों और संगठनों पर कड़ी कार्रवाई की जाती है।

5. राष्ट्रीय हरित अधिकरण (NGT) क्या है और इसका कार्य क्या है?

उत्तर: राष्ट्रीय हरित अधिकरण (National Green Tribunal - NGT) भारत में पर्यावरण संरक्षण से जुड़े मामलों की सुनवाई और समाधान के लिए स्थापित एक विशेष न्यायाधिकरण है। इसकी स्थापना **2010 में NGT अधिनियम के तहत** की गई थी। इसका मुख्य उद्देश्य पर्यावरणीय विवादों को तेजी से निपटाना और पर्यावरण से संबंधित कानूनों का प्रभावी क्रियान्वयन सुनिश्चित करना है। NGT को जल, वायु, भूमि और जैव विविधता से जुड़े मामलों पर निर्णय लेने का अधिकार प्राप्त है। यदि कोई उद्योग, व्यक्ति या संस्था पर्यावरणीय नियमों का उल्लंघन करती है, तो NGT उन पर दंड लगाती है और आवश्यक सुधारात्मक कदम उठाने के निर्देश देती है। यह संस्थान पर्यावरण संरक्षण के लिए एक मजबूत तंत्र प्रदान करता है।

6. जैव विविधता अधिनियम, 2002 क्या है और इसका क्या महत्व है?

उत्तर: जैव विविधता अधिनियम, 2002 भारत में जैव विविधता के संरक्षण और उसके सतत उपयोग को सुनिश्चित करने के लिए बनाया गया एक महत्वपूर्ण कानून है। यह अधिनियम **पौधों, जानवरों और सूक्ष्मजीवों की प्रजातियों को संरक्षित करने** पर जोर देता है और उनकी अनियंत्रित दोहन को रोकता है। इसमें **राष्ट्रीय जैव विविधता प्राधिकरण (NBA)**, **राज्य जैव विविधता बोर्ड (SBBs)** और **स्थानीय जैव विविधता प्रबंधन समितियों (BMCs)** की स्थापना का प्रावधान किया गया है। यह कानून पारंपरिक ज्ञान और संसाधनों की रक्षा करता है और जैविक संसाधनों के व्यावसायिक उपयोग के लिए नियमन करता है। इस अधिनियम के तहत जैव विविधता के अवैध दोहन पर सख्त दंड का प्रावधान भी है।

7. प्लास्टिक कचरा प्रबंधन नियम, 2016 क्या है और इसके तहत कौन-कौन से प्रावधान हैं?

उत्तर: प्लास्टिक कचरा प्रबंधन नियम, 2016 भारत में प्लास्टिक कचरे के उचित निपटान और पुनर्चक्रण को सुनिश्चित करने के लिए बनाया गया एक कानून है। इस नियम का उद्देश्य **प्लास्टिक प्रदूषण को कम करना** और **सिंगल-यूज प्लास्टिक पर नियंत्रण लगाना** है। इसके तहत प्लास्टिक उत्पादकों, विक्रेताओं और उपयोगकर्ताओं के लिए **Extended Producer Responsibility (EPR)** लागू की गई है, जिससे वे प्लास्टिक कचरे के उचित निपटान के लिए जिम्मेदार होते हैं। यह अधिनियम प्लास्टिक कैरी बैग की न्यूनतम मोटाई 50 माइक्रोन निर्धारित करता है और राज्यों को प्लास्टिक कचरे के संग्रह व पुनर्नवीनीकरण के लिए नीति बनाने का निर्देश देता है।

8. पर्यावरण प्रभाव आकलन (EIA) क्या है और यह क्यों जरूरी है?

उत्तर: पर्यावरण प्रभाव आकलन (Environmental Impact Assessment - EIA) एक प्रक्रिया है, जिसके तहत किसी भी नए औद्योगिक, बुनियादी ढांचे या विकास परियोजना के पर्यावरण पर पड़ने वाले प्रभाव का मूल्यांकन किया जाता है। इसका मुख्य उद्देश्य **पर्यावरणीय क्षति को रोकना** और सतत विकास को बढ़ावा देना है। EIA के अंतर्गत सरकार किसी भी परियोजना को स्वीकृति देने से पहले उसके संभावित दुष्प्रभावों का अध्ययन करती है और पर्यावरण संरक्षण के उपायों को अनिवार्य बनाती है। यदि कोई परियोजना पर्यावरण को अत्यधिक नुकसान पहुंचा सकती है, तो उसे रोकने या उसमें बदलाव करने का निर्देश दिया जाता है। यह प्रक्रिया पारिस्थितिकी संतुलन बनाए रखने में सहायक होती है।

9. वन्यजीव संरक्षण अधिनियम, 1972 क्या है और यह किस प्रकार कार्य करता है?

उत्तर: वन्यजीव संरक्षण अधिनियम, 1972 भारत में वन्यजीवों और उनके प्राकृतिक आवासों की रक्षा के लिए बनाया गया एक प्रमुख कानून है। यह अधिनियम **वन्यजीवों के शिकार, उनके व्यापार और उनके आवासों को नष्ट करने पर सख्त प्रतिबंध लगाता है**। इसमें **राष्ट्रीय उद्यानों, वन्यजीव अभयारण्यों और संरक्षित क्षेत्रों** की स्थापना का प्रावधान किया गया है, जहां वन्यजीवों को प्राकृतिक वातावरण में सुरक्षित रखा जाता है। इस कानून के तहत वन्यजीवों की प्रजातियों को विभिन्न अनुसूचियों में बांटा गया है, और उनके संरक्षण के लिए सख्त दंड और जुर्माने का प्रावधान किया गया है। यह अधिनियम लुप्तप्राय प्रजातियों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए आवश्यक है।

10. जलवायु परिवर्तन पर पेरिस समझौता (Paris Agreement) क्या है और भारत की इसमें क्या भूमिका है?

उत्तर: पेरिस समझौता 2015 में संयुक्त राष्ट्र के तहत एक वैश्विक समझौता है, जिसका उद्देश्य **ग्लोबल वार्मिंग को 2°C से कम और आदर्श रूप से 1.5°C तक सीमित करना** है। इसमें सभी देशों को **ग्रीनहाउस गैस उत्सर्जन कम करने**, **स्वच्छ ऊर्जा अपनाने** और **जलवायु परिवर्तन के प्रभावों को कम करने के लिए उपाय करने** की प्रतिबद्धता लेनी होती है। भारत ने इस समझौते के तहत **राष्ट्रीय स्तर पर निर्धारित योगदान (NDCs)** घोषित किए हैं, जिसमें **2030 तक कार्बन उत्सर्जन की तीव्रता को 33-35% तक कम करना** और **स्वच्छ ऊर्जा का उपयोग बढ़ाना** शामिल है। भारत इस समझौते में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है और सौर ऊर्जा व नवीकरणीय स्रोतों के विकास को बढ़ावा दे रहा है।

11. ओजोन परत संरक्षण के लिए मॉन्ट्रियल प्रोटोकॉल क्या है?

उत्तर: मॉन्ट्रियल प्रोटोकॉल एक अंतरराष्ट्रीय संधि है, जिसे **1987 में ओजोन परत को बचाने के लिए अपनाया गया था**। इसका उद्देश्य **ओजोन परत को नुकसान पहुंचाने वाले रसायनों (ODS - Ozone Depleting Substances) जैसे क्लोरोफ्लोरोकार्बन (CFCs), हाइड्रोफ्लोरोकार्बन (HFCs), और हलोन्स के उत्पादन और उपयोग को चरणबद्ध तरीके से समाप्त करना** है। इस संधि के कारण ODS के उपयोग में काफी कमी आई है, जिससे ओजोन परत के धीरे-धीरे पुनर्निर्माण की संभावना बढ़ी है। भारत इस प्रोटोकॉल का पालन करते हुए वैकल्पिक पर्यावरण अनुकूल तकनीकों को बढ़ावा दे रहा है और हानिकारक गैसों के उपयोग को कम करने के लिए कड़े कदम उठा रहा है।

12. कार्बन क्रेडिट क्या होता है और यह पर्यावरण संरक्षण में कैसे सहायक है?

उत्तर: कार्बन क्रेडिट एक तंत्र है, जिसके तहत ग्रीनहाउस गैस उत्सर्जन को नियंत्रित करने के लिए कंपनियों और देशों को एक निश्चित सीमा दी जाती है। यदि कोई संगठन अपनी निर्धारित सीमा से कम कार्बन उत्सर्जन करता है, तो उसे अतिरिक्त कार्बन क्रेडिट मिलते हैं, जिन्हें वह दूसरी कंपनियों या देशों को बेच सकता है। यह प्रणाली **क्लीन डेवलपमेंट मैकेनिज्म (CDM)** का हिस्सा है, जो उद्योगों को हरित तकनीक अपनाने और उत्सर्जन को कम करने के लिए प्रेरित करता है। भारत इस प्रणाली में भाग लेकर नवीकरणीय ऊर्जा स्रोतों को अपनाने और सतत विकास को बढ़ावा देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है।

13. ग्रीनहाउस प्रभाव क्या है और यह जलवायु परिवर्तन को कैसे प्रभावित करता है?

उत्तर: ग्रीनहाउस प्रभाव वह प्रक्रिया है, जिसमें पृथ्वी का वातावरण सूर्य की ऊष्मा को अवशोषित करके उसे ग्रह पर बनाए रखता है। जब सूर्य की किरणें पृथ्वी की सतह से टकराती हैं, तो कुछ ऊर्जा अंतरिक्ष में लौट जाती है, लेकिन कुछ ग्रीनहाउस गैसें (जैसे CO_2, CH_4, N_2O) इसे अवशोषित कर लेती हैं और पृथ्वी को गर्म बनाए रखती हैं। हालांकि, मानवीय गतिविधियों के कारण इन गैसों की मात्रा बढ़ रही है, जिससे **ग्लोबल वार्मिंग और जलवायु परिवर्तन** हो रहा है। इसके प्रभावों में **बढ़ता तापमान, हिमखंडों का पिघलना, समुद्र के जलस्तर में वृद्धि और मौसम में असंतुलन** शामिल हैं।

14. भारत सरकार द्वारा शुरू किए गए प्रमुख पर्यावरण संरक्षण कार्यक्रम कौन-कौन से हैं?

उत्तर: भारत सरकार ने पर्यावरण संरक्षण के लिए कई प्रमुख कार्यक्रम शुरू किए हैं, जिनमें शामिल हैं:

1. **राष्ट्रीय स्वच्छ गंगा मिशन (Namami Gange Programme)** – गंगा नदी की सफाई के लिए।
2. **राष्ट्रीय हरित भारत मिशन** – वन क्षेत्र और जैव विविधता को बढ़ावा देने के लिए।
3. **स्वच्छ भारत अभियान** – कचरा प्रबंधन और स्वच्छता को बढ़ावा देने के लिए।
4. **राष्ट्रीय सौर मिशन** – सौर ऊर्जा को बढ़ावा देने के लिए।
5. **स्टेटिक फॉरेस्ट पॉलिसी** – वनों के संरक्षण और पुनर्वनीकरण के लिए।
6. **राष्ट्रीय जैव विविधता कार्य योजना (NBAP)** – जैव विविधता संरक्षण के लिए।
   ये योजनाएँ भारत में सतत विकास और पर्यावरण संरक्षण के लिए महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही हैं।

15. पारिस्थितिक तंत्र (Ecosystem) क्या होता है और यह कैसे कार्य करता है?

उत्तर: पारिस्थितिक तंत्र (Ecosystem) एक जैविक समुदाय है, जिसमें जीवित (जैसे पेड़, जानवर, सूक्ष्मजीव) और निर्जीव (जैसे हवा, पानी, मिट्टी) घटक परस्पर जुड़े होते हैं और एक-दूसरे पर निर्भर होते हैं। यह **ऊर्जा प्रवाह और पोषक तत्वों के चक्र** के माध्यम से कार्य करता है। उदाहरण के लिए, पौधे सूर्य के प्रकाश से ऊर्जा प्राप्त करते हैं (प्राथमिक उत्पादक), शाकाहारी जीव उन्हें खाते हैं (प्राथमिक उपभोक्ता), और मांसाहारी जीव शाकाहारी जीवों को खाते हैं (माध्यमिक उपभोक्ता)। पारिस्थितिक तंत्र के संतुलन को बनाए रखना महत्वपूर्ण है क्योंकि इसमें किसी भी प्रकार का असंतुलन जैव विविधता को खतरे में डाल सकता है।

16. सतत विकास (Sustainable Development) क्या है और यह पर्यावरण संरक्षण से कैसे जुड़ा है?

उत्तर: सतत विकास वह प्रक्रिया है, जिसमें वर्तमान पीढ़ी की जरूरतों को पूरा करते हुए भविष्य की पीढ़ियों के संसाधनों से समझौता नहीं किया जाता। इसका मुख्य उद्देश्य **आर्थिक विकास, सामाजिक समानता और पर्यावरण संरक्षण** के बीच संतुलन बनाए रखना है। सतत विकास के सिद्धांतों में **नवीकरणीय ऊर्जा का उपयोग, जल एवं वायु प्रदूषण की रोकथाम, जैव विविधता संरक्षण और कचरा प्रबंधन** शामिल हैं। पर्यावरण संरक्षण इसके प्रमुख घटकों में से एक है, क्योंकि यदि प्राकृतिक संसाधनों का अत्यधिक दोहन किया जाए, तो पारिस्थितिकी असंतुलित हो सकती है और जीवन की गुणवत्ता प्रभावित हो सकती है।

17. जल संकट के कारण और इसके समाधान क्या हैं?

उत्तर: जल संकट मुख्य रूप से **अत्यधिक जल उपयोग, अनियमित वर्षा, जल प्रदूषण और जल संरक्षण की कमी** के कारण होता है। बढ़ती जनसंख्या और औद्योगीकरण भी जल संसाधनों पर दबाव डालते हैं। इसका समाधान निम्नलिखित तरीकों से किया जा सकता है:

1. **जल संचयन (Rainwater Harvesting)** को बढ़ावा देना।
2. **टपक सिंचाई (Drip Irrigation)** जैसी तकनीकों का उपयोग करना।
3. **जलाशयों और झीलों की सफाई और पुनर्जीवन**।
4. **औद्योगिक कचरे का उचित प्रबंधन** ताकि जल स्रोत प्रदूषित न हों।
5. **पुनर्चक्रण (Recycling) और जल संरक्षण अभियानों को बढ़ावा देना**।
   यदि जल का सतत उपयोग सुनिश्चित नहीं किया गया, तो आने वाले वर्षों में जल संकट एक गंभीर समस्या बन सकता है।

18. अपशिष्ट प्रबंधन (Waste Management) क्या होता है और इसके प्रमुख तरीके क्या हैं?

उत्तर: अपशिष्ट प्रबंधन (Waste Management) वह प्रक्रिया है, जिसमें ठोस और तरल कचरे को उचित रूप से संग्रहित, पुनः उपयोग, पुनर्चक्रण और निपटान किया जाता है ताकि पर्यावरणीय नुकसान को कम किया जा सके। इसके प्रमुख तरीके इस प्रकार हैं:

1. **Reduce (कमी लाना):** अनावश्यक वस्तुओं का उपयोग कम करना।
2. **Reuse (पुनः उपयोग):** चीजों को दोबारा उपयोग में लाना।
3. **Recycle (पुनर्चक्रण):** कचरे से नए उत्पाद बनाना।
4. **Composting (खाद बनाना):** जैविक कचरे को खाद में परिवर्तित करना।
5. **Waste-to-Energy (ऊर्जा उत्पादन):** कचरे से बिजली या ईंधन बनाना।
   अच्छे अपशिष्ट प्रबंधन से भूमि प्रदूषण और जल प्रदूषण को कम किया जा सकता है, जिससे पर्यावरण संरक्षित रहता है।

19. ई-कचरा (E-Waste) क्या होता है और इसके निपटान के लिए क्या कदम उठाए जा सकते हैं?

उत्तर: ई-कचरा (E-Waste) में पुराने और बेकार इलेक्ट्रॉनिक उपकरण जैसे मोबाइल, कंप्यूटर, टीवी, बैटरी और सर्किट बोर्ड शामिल होते हैं। यह कचरा **भारी धातुओं (Lead, Mercury, Cadmium) और विषैले रसायनों** के कारण पर्यावरण और मानव स्वास्थ्य के लिए हानिकारक होता है। इसके निपटान के लिए निम्नलिखित कदम उठाए जा सकते हैं:

1. **ई-कचरा पुनर्चक्रण (Recycling):** पुराने उपकरणों को पुनः उपयोग के योग्य बनाना।
2. **ई-कचरा संग्रह केंद्र (E-Waste Collection Centers) बनाना।**
3. **Extended Producer Responsibility (EPR) लागू करना।**
4. **डिजिटल डिवाइड को कम करना और उपकरणों के जीवनकाल को बढ़ाना।**
5. **सुरक्षित तरीके से ई-कचरे का निपटान सुनिश्चित करना।**

20. ग्रीन एनर्जी (हरित ऊर्जा) क्या है और इसके प्रकार कौन-कौन से हैं?

उत्तर: ग्रीन एनर्जी (हरित ऊर्जा) वह ऊर्जा है, जो पर्यावरण को नुकसान पहुँचाए बिना नवीकरणीय स्रोतों से उत्पन्न होती है। यह पारंपरिक जीवाश्म ईंधनों (कोयला, पेट्रोल, डीजल) की तुलना में अधिक टिकाऊ और प्रदूषण रहित होती है। ग्रीन एनर्जी के प्रमुख प्रकार इस प्रकार हैं:

1. **सौर ऊर्जा (Solar Energy):** सूर्य के प्रकाश से बिजली उत्पन्न करना।
2. **पवन ऊर्जा (Wind Energy):** हवा की गति से टरबाइन चलाकर बिजली बनाना।
3. **जल विद्युत (Hydropower):** बहते पानी से ऊर्जा उत्पादन।
4. **जैव ऊर्जा (Bioenergy):** जैविक कचरे से ऊर्जा उत्पन्न करना।
5. **जियोथर्मल ऊर्जा (Geothermal Energy):** पृथ्वी की सतह के नीचे की गर्मी से बिजली बनाना।
6. **हाइड्रोजन ऊर्जा (Hydrogen Energy):** हाइड्रोजन गैस का उपयोग करके ऊर्जा उत्पन्न करना।
   ग्रीन एनर्जी के उपयोग से कार्बन उत्सर्जन को कम किया जा सकता है और जलवायु परिवर्तन की समस्या से निपटा जा सकता है।

21. पारिस्थितिक असंतुलन (Ecological Imbalance) क्या होता है और इसके कारण क्या हैं?

उत्तर: जब प्राकृतिक पारिस्थितिकी तंत्र में संतुलन बिगड़ जाता है, तो उसे पारिस्थितिक असंतुलन कहते हैं। यह असंतुलन जैव विविधता के नुकसान, पर्यावरणीय संकट और जलवायु परिवर्तन का कारण बन सकता है। इसके मुख्य कारण हैं:

1. **वनों की कटाई (Deforestation):** अंधाधुंध पेड़ों की कटाई से जलवायु परिवर्तन और भूमि कटाव होता है।
2. **प्रदूषण (Pollution):** जल, वायु और भूमि प्रदूषण से पर्यावरण को क्षति पहुँचती है।
3. **अत्यधिक शिकार और मछली पकड़ना (Overhunting & Overfishing):** इससे खाद्य श्रृंखला में असंतुलन पैदा होता है।
4. **आबादी में वृद्धि (Population Growth):** संसाधनों की अत्यधिक खपत से प्राकृतिक संसाधन तेजी से खत्म हो रहे हैं।
5. **जलवायु परिवर्तन (Climate Change):** अत्यधिक तापमान परिवर्तन से जीव-जंतु और पौधों की प्रजातियों पर प्रभाव पड़ता है।
   पारिस्थितिक संतुलन बनाए रखने के लिए वन संरक्षण, हरित ऊर्जा का उपयोग, जैव विविधता की सुरक्षा और सतत विकास को बढ़ावा देना आवश्यक है।

22. ओवरपॉपुलेशन (जनसंख्या वृद्धि) पर्यावरण पर कैसे प्रभाव डालता है?

उत्तर: जनसंख्या वृद्धि (Overpopulation) पर्यावरण पर कई नकारात्मक प्रभाव डालती है, जैसे:

1. **प्राकृतिक संसाधनों की अधिक खपत:** भोजन, पानी, ईंधन और ऊर्जा की मांग बढ़ जाती है।
2. **वायु और जल प्रदूषण:** अधिक वाहन, उद्योग और कचरा बढ़ने से प्रदूषण बढ़ता है।
3. **वनों की कटाई:** आवास और कृषि भूमि के लिए पेड़ों की अंधाधुंध कटाई होती है।
4. **बढ़ता कार्बन उत्सर्जन:** अधिक उद्योग और वाहन ग्रीनहाउस गैसों को बढ़ाते हैं।
5. **जैव विविधता का नुकसान:** बढ़ती जनसंख्या के कारण जीवों के प्राकृतिक आवास नष्ट हो रहे हैं।
   जनसंख्या नियंत्रण के उपायों में शिक्षा, परिवार नियोजन, सतत विकास और संसाधनों का उचित प्रबंधन शामिल हैं।

23. माइक्रोप्लास्टिक (Microplastic) क्या हैं और यह पर्यावरण के लिए कैसे हानिकारक हैं?

उत्तर: माइक्रोप्लास्टिक वे छोटे प्लास्टिक कण होते हैं, जिनका आकार **5 मिमी से कम** होता है। ये मुख्य रूप से प्लास्टिक उत्पादों के टूटने, सौंदर्य प्रसाधनों, कपड़ों और औद्योगिक कचरे से उत्पन्न होते हैं।
हानिकारक प्रभाव:

1. **जल स्रोतों को प्रदूषित करते हैं:** ये नदियों, झीलों और समुद्रों में मिलकर जलीय जीवन को नुकसान पहुँचाते हैं।
2. **मानव स्वास्थ्य पर प्रभाव:** समुद्री जीवों द्वारा इन्हें खाने के बाद ये खाद्य श्रृंखला में प्रवेश कर जाते हैं, जिससे कैंसर और हार्मोनल असंतुलन जैसी समस्याएँ हो सकती हैं।

3. **मृदा प्रदूषण:** खेतों में प्लास्टिक कचरा मिट्टी की उर्वरता को प्रभावित करता है।
4. **जैव विविधता को नुकसान:** जलीय जीव इन्हें भोजन समझकर खा लेते हैं, जिससे वे बीमार या मर सकते हैं।
   माइक्रोप्लास्टिक प्रदूषण को रोकने के लिए **प्लास्टिक रिसाइक्लिंग, बायोडिग्रेडेबल उत्पादों का उपयोग और प्लास्टिक प्रतिबंध** आवश्यक हैं।

24. जलवायु परिवर्तन के कारण कौन-कौन से प्राकृतिक आपदाएँ बढ़ रही हैं?

उत्तर: जलवायु परिवर्तन के कारण कई प्रकार की प्राकृतिक आपदाएँ बढ़ रही हैं, जैसे:

1. **तूफान (Hurricanes & Cyclones):** महासागरों का तापमान बढ़ने से चक्रवात और तूफान अधिक विनाशकारी हो रहे हैं।
2. **सूखा (Droughts):** तापमान में वृद्धि से वर्षा चक्र में असंतुलन आ रहा है, जिससे लंबे समय तक सूखा पड़ रहा है।
3. **बाढ़ (Floods):** ग्लोबल वार्मिंग के कारण हिमखंड तेजी से पिघल रहे हैं और भारी वर्षा से बाढ़ की घटनाएँ बढ़ रही हैं।
4. **ग्लेशियरों का पिघलना:** हिमालय और आर्कटिक क्षेत्रों में बर्फ पिघलने से समुद्र स्तर बढ़ रहा है।
5. **हीटवेव (Heatwaves):** अत्यधिक गर्मी की लहरें इंसानों, जानवरों और कृषि पर बुरा प्रभाव डाल रही हैं।
6. **जंगल की आग (Wildfires):** सूखे और बढ़ते तापमान के कारण जंगलों में आग लगने की घटनाएँ अधिक हो रही हैं।
   इन आपदाओं को कम करने के लिए **कार्बन उत्सर्जन में कटौती, हरित ऊर्जा अपनाना और सतत विकास की नीतियों को अपनाना आवश्यक है।**

25. ब्लू इकोनॉमी (Blue Economy) क्या है और यह पर्यावरण संरक्षण में कैसे सहायक है?

उत्तर: ब्लू इकोनॉमी एक ऐसा आर्थिक मॉडल है, जो **समुद्री और जलीय संसाधनों का सतत उपयोग** सुनिश्चित करता है। इसका उद्देश्य **समुद्री जैव विविधता को संरक्षित करते हुए आर्थिक विकास को बढ़ावा देना** है।
ब्लू इकोनॉमी के प्रमुख घटक:

1. **सतत मत्स्य पालन (Sustainable Fishing):** समुद्री जीवन को बचाते हुए मछली पालन।
2. **नवीकरणीय समुद्री ऊर्जा (Marine Renewable Energy):** ज्वारीय और पवन ऊर्जा का दोहन।
3. **समुद्री पर्यटन (Eco-Tourism):** पर्यावरण के अनुकूल पर्यटन।
4. **समुद्री जैव प्रौद्योगिकी (Marine Biotechnology):** औषधीय और औद्योगिक उपयोग के लिए समुद्री जीवों का अध्ययन।
5. **कार्बन अवशोषण (Carbon Sequestration):** समुद्री वनस्पतियों द्वारा कार्बन डाइऑक्साइड का अवशोषण।
   ब्लू इकोनॉमी के माध्यम से हम **समुद्री पारिस्थितिकी को संरक्षित करते हुए टिकाऊ आर्थिक लाभ** प्राप्त कर सकते हैं।

26. ग्रीन टैक्स (Green Tax) क्या है और इसका उद्देश्य क्या होता है?

उत्तर: ग्रीन टैक्स, जिसे **पर्यावरण कर (Environmental Tax)** भी कहा जाता है, वह कर है जो प्रदूषण फैलाने वाले वाहनों और उद्योगों पर लगाया जाता है। इसका उद्देश्य **प्रदूषण को नियंत्रित करना, कार्बन उत्सर्जन को कम करना और स्वच्छ ऊर्जा स्रोतों को बढ़ावा देना** है।
मुख्य उद्देश्य:

1. **प्रदूषण फैलाने वाले उद्योगों और वाहनों पर नियंत्रण।**
2. **नवीकरणीय ऊर्जा को बढ़ावा देना।**
3. **सार्वजनिक परिवहन को प्रोत्साहित करना।**
4. **पर्यावरणीय क्षति की भरपाई के लिए फंड एकत्र करना।**
   भारत में पुराने और अत्यधिक प्रदूषण फैलाने वाले वाहनों पर **ग्रीन टैक्स लगाया जाता है** ताकि लोग इलेक्ट्रिक और कम प्रदूषण फैलाने वाले वाहनों को अपनाएँ।

27. नेट जीरो (Net Zero) क्या होता है और यह जलवायु परिवर्तन से कैसे जुड़ा है?

उत्तर: नेट जीरो (Net Zero) का मतलब है कि किसी देश, कंपनी या व्यक्ति द्वारा जितना कार्बन डाइऑक्साइड उत्सर्जित किया जाता है, उतना ही कार्बन वातावरण से हटाया भी जाता है। यह लक्ष्य जलवायु परिवर्तन को रोकने के लिए महत्वपूर्ण है।
नेट जीरो प्राप्त करने के उपाय:

1. **नवीकरणीय ऊर्जा स्रोतों (सौर, पवन) का उपयोग।**
2. **वृक्षारोपण और वन संरक्षण।**
3. **कार्बन कैप्चर टेक्नोलॉजी (Carbon Capture Technology) का विकास।**
4. **वाहनों और उद्योगों में स्वच्छ ऊर्जा अपनाना।**
   संयुक्त राष्ट्र (UN) के अनुसार, सभी देशों को **2050 तक नेट जीरो लक्ष्य** हासिल करना चाहिए ताकि ग्लोबल वॉर्मिंग को **1.5°C** तक सीमित किया जा सके।

28. जलवायु न्याय (Climate Justice) क्या है और यह क्यों महत्वपूर्ण है?

उत्तर: जलवायु न्याय (Climate Justice) एक सिद्धांत है, जो मानता है कि **जलवायु परिवर्तन से सबसे ज्यादा प्रभावित वे गरीब और कमजोर समुदाय होते हैं, जो इसके लिए सबसे कम जिम्मेदार हैं**। इसलिए, विकसित देशों को अधिक जिम्मेदारी लेनी चाहिए और गरीब देशों को जलवायु परिवर्तन से निपटने में मदद करनी चाहिए।
महत्व:

1. **विकासशील देशों को वित्तीय और तकनीकी सहायता।**
2. **प्राकृतिक आपदाओं से प्रभावित लोगों की मदद।**
3. **प्रदूषण फैलाने वाले बड़े देशों की अधिक जिम्मेदारी।**
4. **स्वच्छ और टिकाऊ विकास को बढ़ावा देना।**
   जलवायु न्याय के तहत **जलवायु परिवर्तन शमन और अनुकूलन** की नीतियाँ बनाई जाती हैं ताकि सभी समुदायों को समान अवसर मिले।

29. वन्यजीव संरक्षण अधिनियम 1972 क्या है और इसका उद्देश्य क्या है?

उत्तर: भारतीय वन्यजीव संरक्षण अधिनियम, 1972 भारत में **वन्यजीवों और जैव विविधता की रक्षा** के लिए बनाया गया था।
मुख्य उद्देश्य:

1. **लुप्तप्राय प्रजातियों का संरक्षण।**
2. **शिकार और अवैध व्यापार पर रोक।**
3. **राष्ट्रीय उद्यानों, वन्यजीव अभयारण्यों और जैव विविधता क्षेत्रों की स्थापना।**
4. **वन्यजीव अपराधों की रोकथाम।**
   इस अधिनियम के तहत **टाइगर रिजर्व, नेशनल पार्क और अभयारण्य** स्थापित किए गए हैं, जिससे **गैंडा, बाघ, हाथी** जैसे दुर्लभ प्रजातियों को बचाने में मदद मिली है।

30. प्लास्टिक प्रदूषण को कम करने के लिए सरकार द्वारा क्या कदम उठाए गए हैं?

उत्तर: प्लास्टिक प्रदूषण को कम करने के लिए भारत सरकार ने कई महत्वपूर्ण कदम उठाए हैं:

1. **सिंगल-यूज प्लास्टिक पर प्रतिबंध:** 2022 से **प्लास्टिक बैग, कटलरी, स्ट्रॉ, और अन्य सिंगल-यूज प्लास्टिक** पर प्रतिबंध लगाया गया।
2. **प्लास्टिक कचरा प्रबंधन नियम, 2016:** कंपनियों को अपने प्लास्टिक उत्पादों को **रीसायकल करने और कचरे का सही निपटान करने** के लिए कहा गया।
3. **स्वच्छ भारत अभियान:** प्लास्टिक मुक्त भारत बनाने के लिए अभियान चलाया गया।
4. **बायोडिग्रेडेबल विकल्पों को बढ़ावा:** जूट, कपड़े और बांस से बने उत्पादों को बढ़ावा दिया जा रहा है।

5. **प्लास्टिक रिसाइक्लिंग यूनिट्स:** प्लास्टिक को फिर से उपयोगी बनाने के लिए रीसाइक्लिंग प्लांट स्थापित किए जा रहे हैं।
इन उपायों से **प्लास्टिक प्रदूषण में कमी और पर्यावरण की सुरक्षा** सुनिश्चित की जा सकती है।

31. जैव विविधता संरक्षण के लिए अंतर्राष्ट्रीय प्रयास कौन-कौन से हैं?

उत्तर: जैव विविधता संरक्षण के लिए कई वैश्विक समझौते और संगठन कार्यरत हैं:

1. **संयुक्त राष्ट्र जैव विविधता संधि (CBD) 1992:** विश्व स्तर पर जैव विविधता की रक्षा के लिए बनाया गया समझौता।
2. **आईयूसीएन रेड लिस्ट (IUCN Red List):** लुप्तप्राय प्रजातियों की सूची तैयार करती है।
3. **रामसर संधि (Ramsar Convention) 1971:** विश्वभर में आर्द्रभूमि (Wetlands) के संरक्षण के लिए।
4. **सीआईटीईएस (CITES) 1973:** लुप्तप्राय वन्यजीवों और पौधों के अंतर्राष्ट्रीय व्यापार को नियंत्रित करने के लिए।
5. **पेरिस समझौता (Paris Agreement) 2015:** जलवायु परिवर्तन से निपटने और जैव विविधता की रक्षा के लिए।
इन समझौतों से **वन्यजीव संरक्षण और सतत विकास** को बढ़ावा मिलता है।

32. पारिस्थितिकीय पदचिह्न (Ecological Footprint) क्या है?

उत्तर: पारिस्थितिकीय पदचिह्न (Ecological Footprint) वह माप है, जिससे यह पता चलता है कि **मानव गतिविधियाँ पृथ्वी के प्राकृतिक संसाधनों पर कितना दबाव डाल रही हैं**।
इसके प्रमुख घटक:

1. **कार्बन पदचिह्न:** जीवाश्म ईंधनों का उपयोग।
2. **जल पदचिह्न:** पानी की खपत।
3. **वन संसाधन उपयोग:** लकड़ी और कागज की खपत।
4. **कृषि भूमि उपयोग:** भोजन उत्पादन के लिए भूमि का उपयोग।
यदि पारिस्थितिकीय पदचिह्न अधिक हो जाता है, तो इसका मतलब है कि **हम संसाधनों का अधिक उपयोग कर रहे हैं, जितना पृथ्वी पुनः उत्पन्न कर सकती है**। इसे कम करने के लिए **ऊर्जा बचत, हरित ऊर्जा, और सतत कृषि** को अपनाना आवश्यक है।

33. पर्यावरण प्रभाव आकलन (EIA) क्या होता है और यह क्यों महत्वपूर्ण है?

उत्तर: पर्यावरण प्रभाव आकलन (Environmental Impact Assessment - EIA) वह प्रक्रिया है, जिसके तहत किसी भी नए उद्योग, निर्माण परियोजना या विकास योजना से **पर्यावरण पर पड़ने वाले प्रभावों का अध्ययन किया जाता है**।
महत्व:

1. **पर्यावरण संरक्षण सुनिश्चित करना।**
2. **प्राकृतिक संसाधनों के सतत उपयोग को बढ़ावा देना।**
3. **प्रदूषण और पारिस्थितिकीय असंतुलन को रोकना।**
4. **स्थानीय समुदायों की भागीदारी सुनिश्चित करना।**
भारत में **EIA अधिसूचना 2006** के तहत बड़ी परियोजनाओं को मंजूरी से पहले इसका आकलन करना अनिवार्य है।

34. पारिस्थितिक पुनर्स्थापन (Ecological Restoration) क्या होता है?

उत्तर: पारिस्थितिक पुनर्स्थापन (Ecological Restoration) वह प्रक्रिया है, जिसमें **प्राकृतिक पारिस्थितिक तंत्रों को उनकी मूल स्थिति में लौटाने** का प्रयास किया जाता है।
मुख्य उद्देश्य:

1. **वनों का पुनरोपण (Reforestation):** कटे हुए जंगलों को फिर से हरा-भरा बनाना।
2. **प्रदूषित जल निकायों की सफाई:** नदियों, झीलों और समुद्रों को कचरे और रसायनों से मुक्त करना।

3. **जैव विविधता की बहाली:** विलुप्तप्राय प्रजातियों के संरक्षण के लिए प्रयास करना।
4. **मृदा संरक्षण:** भूमि कटाव और मरुस्थलीकरण को रोकना।
5. **जल स्रोतों का पुनर्जीवन:** भूमिगत जलस्तर को फिर से बढ़ाना।
   इस प्रक्रिया के तहत **प्राकृतिक पारिस्थितिक तंत्र को संतुलित करने के लिए वैज्ञानिक और पारंपरिक दोनों उपायों** का उपयोग किया जाता है।

35. सतत विकास लक्ष्यों (Sustainable Development Goals - SDGs) में पर्यावरण से जुड़े कौन-कौन से लक्ष्य हैं?

उत्तर: संयुक्त राष्ट्र (UN) द्वारा 2015 में निर्धारित **17 सतत विकास लक्ष्यों (SDGs)** में कई लक्ष्य पर्यावरण से जुड़े हैं:

1. **SDG 6 - स्वच्छ जल और स्वच्छता:** जल स्रोतों का संरक्षण और शुद्ध पानी की उपलब्धता।
2. **SDG 7 - सस्ती और स्वच्छ ऊर्जा:** नवीकरणीय ऊर्जा का बढ़ावा।
3. **SDG 11 - सतत शहर और समुदाय:** हरित शहरों और टिकाऊ आवासों का निर्माण।
4. **SDG 12 - जिम्मेदार उपभोग और उत्पादन:** अपशिष्ट प्रबंधन और संसाधनों का सतत उपयोग।
5. **SDG 13 - जलवायु परिवर्तन से निपटना:** ग्रीनहाउस गैस उत्सर्जन को कम करना।
6. **SDG 14 - जल जीवन:** महासागरों, नदियों और समुद्री जैव विविधता का संरक्षण।
7. **SDG 15 - स्थलीय पारिस्थितिकी तंत्र का संरक्षण:** वनों, जैव विविधता और भूमि की रक्षा।
   इन लक्ष्यों को प्राप्त करने से **मानव और पर्यावरण के बीच संतुलन बना रह सकता है**।

36. अपशिष्ट प्रबंधन (Waste Management) के कौन-कौन से तरीके होते हैं?

उत्तर: अपशिष्ट प्रबंधन (Waste Management) का उद्देश्य **कचरे को सही ढंग से निपटाना और पुन: उपयोग** करना है। इसके मुख्य तरीके इस प्रकार हैं:

1. **रिड्यूस (Reduce):** कम कचरा उत्पन्न करना (जैसे सिंगल-यूज प्लास्टिक का कम उपयोग)।
2. **रियूज़ (Reuse):** उपयोग किए गए उत्पादों को फिर से इस्तेमाल करना।
3. **रिसाइक्लिंग (Recycling):** कागज, प्लास्टिक, धातु और कांच को दोबारा उपयोगी बनाना।
4. **कम्पोस्टिंग (Composting):** जैविक कचरे से खाद बनाना।
5. **अपशिष्ट-से-ऊर्जा (Waste-to-Energy):** कचरे से बिजली उत्पादन।
6. **सही ढंग से निपटान (Proper Disposal):** खतरनाक और ई-कचरे का वैज्ञानिक तरीके से निपटान।
   भारत सरकार **स्वच्छ भारत मिशन** और **प्लास्टिक कचरा प्रबंधन नीति** के तहत अपशिष्ट प्रबंधन को बढ़ावा दे रही है।

37. जल संकट (Water Crisis) क्या है और इसे हल करने के उपाय क्या हैं?

उत्तर: जल संकट (Water Crisis) वह स्थिति है, जब पानी की **उपलब्धता और मांग के बीच असंतुलन** उत्पन्न हो जाता है।
जल संकट के कारण:

1. **अत्यधिक जल दोहन।**
2. **वर्षा जल संचयन की कमी।**
3. **जल स्रोतों का प्रदूषण।**
4. **भूजल स्तर में गिरावट।**
5. **जलवायु परिवर्तन के कारण सूखा और बाढ़।**
   समाधान:
6. **वर्षा जल संचयन (Rainwater Harvesting)।**
7. **बूंद-बूंद सिंचाई (Drip Irrigation) का उपयोग।**
8. **जल पुनर्चक्रण और पुन: उपयोग।**
9. **वनों और जलाशयों का संरक्षण।**

10. **समुद्री जल का डी-सलीनेशन (Desalination)।**
    भारत में **जल शक्ति अभियान** और **अटल भूजल योजना** के माध्यम से जल संकट को दूर करने के प्रयास किए जा रहे हैं।

38. प्रदूषण नियंत्रण के लिए कौन-कौन से अंतर्राष्ट्रीय समझौते हुए हैं?

उत्तर: कई अंतर्राष्ट्रीय समझौते और संधियाँ प्रदूषण को नियंत्रित करने के लिए बनी हैं:

1. **क्योटो प्रोटोकॉल (Kyoto Protocol) 1997:** ग्रीनहाउस गैसों के उत्सर्जन को कम करने के लिए।
2. **पेरिस समझौता (Paris Agreement) 2015:** ग्लोबल वार्मिंग को **1.5°C** तक सीमित रखने के लिए।
3. **वियना कन्वेंशन (Vienna Convention) 1985:** ओजोन परत को बचाने के लिए।
4. **मॉन्ट्रियल प्रोटोकॉल (Montreal Protocol) 1987:** ओजोन-नाशक गैसों को प्रतिबंधित करने के लिए।
5. **स्टॉकहोम कन्वेंशन (Stockholm Convention) 2001:** खतरनाक रसायनों और प्रदूषकों पर नियंत्रण के लिए।
   इन समझौतों का उद्देश्य **वैश्विक प्रदूषण को नियंत्रित कर पर्यावरण की सुरक्षा** करना है।

39. बायोमेडिकल वेस्ट (Biomedical Waste) क्या होता है और इसे कैसे प्रबंधित किया जाता है?

उत्तर: बायोमेडिकल वेस्ट (Biomedical Waste) अस्पतालों, लैब्स, और चिकित्सा केंद्रों से निकलने वाला जैविक और रासायनिक कचरा होता है, जैसे:

1. **संक्रमित पट्टियाँ और कपड़े।**
2. **सुइयाँ, इंजेक्शन, ब्लेड।**
3. **रक्त, शरीर के ऊतक और अन्य जैविक कचरा।**
4. **रसायन और औषधीय कचरा।**
   प्रबंधन के तरीके:
5. **रंग-कोडिंग सिस्टम:** अलग-अलग प्रकार के कचरे के लिए अलग-अलग डिब्बे।
6. **ऑटो-क्लेविंग और इंसीनेरेशन:** कचरे को जलाकर नष्ट करना।
7. **गड्ढों में सुरक्षित दफन (Deep Burial):** जैविक कचरे का सुरक्षित निपटान।
   भारत में **बायोमेडिकल वेस्ट मैनेजमेंट रूल्स, 2016** के तहत इसका सुरक्षित निपटान सुनिश्चित किया जाता है।

40. क्या हरित भवन (Green Buildings) पर्यावरण के अनुकूल होते हैं?

उत्तर: हाँ, हरित भवन (Green Buildings) वे इमारतें होती हैं, जो **ऊर्जा दक्षता, जल संरक्षण और टिकाऊ संसाधनों** का उपयोग करके बनाई जाती हैं।
विशेषताएँ:

1. **सौर ऊर्जा और प्राकृतिक रोशनी का उपयोग।**
2. **वर्षा जल संचयन और जल पुनर्चक्रण।**
3. **ऊर्जा कुशल उपकरणों का उपयोग।**
4. **हरित सामग्री से निर्माण।**
   भारत में **Griha और LEED** प्रमाणित इमारतें पर्यावरण अनुकूल मानी जाती हैं।

41. ग्रीन हाउस प्रभाव (Greenhouse Effect) क्या है और यह कैसे जलवायु परिवर्तन को प्रभावित करता है?

उत्तर: ग्रीन हाउस प्रभाव वह प्रक्रिया है जिसमें पृथ्वी का वातावरण **सूर्य की गर्मी को अवशोषित करके ग्रह को गर्म** बनाता है।
कारण:

1. ग्रीनहाउस गैसें (CO_2, CH_4, N_2O) वातावरण में बढ़ रही हैं।

2. जीवाश्म ईंधनों का जलना और वनों की कटाई।
3. औद्योगिकीकरण और बढ़ता प्रदूषण।

प्रभाव:

- **ग्लोबल वार्मिंग** (धरती का तापमान बढ़ रहा है)।
- **बर्फ पिघलने से समुद्र स्तर में वृद्धि।**
- **मौसम में असामान्य परिवर्तन (अत्यधिक बारिश, सूखा)।**

ग्रीनहाउस प्रभाव को कम करने के लिए **नवीकरणीय ऊर्जा का उपयोग, वनों का संरक्षण और कार्बन उत्सर्जन को नियंत्रित** करना जरूरी है।

42. कार्बन क्रेडिट (Carbon Credit) क्या है और यह कैसे काम करता है?

उत्तर: कार्बन क्रेडिट एक **प्रमाणपत्र (Certificate)** है जो यह दर्शाता है कि किसी कंपनी या देश ने **अपनी कार्बन उत्सर्जन सीमा को कम किया है**।

कैसे काम करता है?

- 1 टन CO_2 कम करने पर 1 कार्बन क्रेडिट मिलता है।
- कंपनियाँ जिन्हें अधिक कार्बन उत्सर्जन करना होता है, वे कार्बन क्रेडिट खरीद सकती हैं।
- इससे **स्वच्छ ऊर्जा और हरित तकनीकों को बढ़ावा** मिलता है।

लाभ:

- कार्बन उत्सर्जन को नियंत्रित करना।
- नवीकरणीय ऊर्जा को बढ़ावा देना।
- कंपनियों को ग्रीन एनर्जी अपनाने के लिए प्रोत्साहित करना।

43. भारत में सबसे अधिक प्रदूषित शहर कौन-कौन से हैं और इसके कारण क्या हैं?

उत्तर: भारत के कुछ सबसे प्रदूषित शहर हैं:

1. **दिल्ली** – वाहन प्रदूषण, निर्माण कार्य, पराली जलाना।
2. **कानपुर** – उद्योगों और फैक्ट्रियों का धुआँ।
3. **पटना** – निर्माण धूल और वाहनों का धुआँ।
4. **मुंबई** – वाहनों और औद्योगिक प्रदूषण।
5. **लखनऊ** – धूल, धुआँ और औद्योगिक कचरा।

प्रदूषण के कारण:

- वाहनों से निकलने वाला धुआँ।
- उद्योगों से निकलने वाला जहरीला कचरा।
- प्लास्टिक और कूड़े-कचरे का जलना।
- बढ़ता शहरीकरण और हरियाली की कमी।

44. कौन-कौन से ईंधन पर्यावरण के अनुकूल माने जाते हैं?

उत्तर: पर्यावरण के अनुकूल ईंधन वे होते हैं जो **कम प्रदूषण फैलाते हैं और नवीकरणीय होते हैं**।

उदाहरण:

1. **बायोडीजल:** जैविक स्रोतों से बना कम प्रदूषक ईंधन।
2. **इथेनॉल:** गन्ने से बनने वाला जैविक ईंधन।
3. **CNG (संपीड़ित प्राकृतिक गैस):** पेट्रोल-डीजल से बेहतर, कम प्रदूषण फैलाता है।
4. **हाइड्रोजन ईंधन:** जल से प्राप्त, शुद्ध और स्वच्छ ऊर्जा।

5. **सौर और पवन ऊर्जा:** अक्षय स्रोत, बिना प्रदूषण के बिजली उत्पादन।
   इनका उपयोग जलवायु परिवर्तन और प्रदूषण को कम करने में मदद करता है।

45. माइक्रोप्लास्टिक (Microplastic) क्या होता है और यह पर्यावरण के लिए क्यों हानिकारक है?

उत्तर: माइक्रोप्लास्टिक वे **छोटे प्लास्टिक कण (5mm से छोटे)** होते हैं जो जल स्रोतों, मिट्टी और हवा में पाए जाते हैं।
हानिकारक प्रभाव:

- **समुद्री जीवों को नुकसान पहुँचाते हैं।**
- **मानव शरीर में प्रवेश कर स्वास्थ्य को प्रभावित करते हैं।**
- **मिट्टी और पानी को प्रदूषित करते हैं।**
  मुख्य स्रोत:
- प्लास्टिक बैग और बोतलें।
- सौंदर्य प्रसाधन (फेस स्क्रब, टूथपेस्ट)।
- टायर से निकलने वाले छोटे प्लास्टिक कण।
  समाधान: प्लास्टिक का कम उपयोग, बायोडिग्रेडेबल उत्पाद अपनाना, समुद्र की सफाई।

46. पारिस्थितिकीय असंतुलन (Ecological Imbalance) क्या है और इसके कारण क्या हैं?

उत्तर: जब किसी क्षेत्र का **प्राकृतिक संतुलन बिगड़ जाता है**, तो उसे पारिस्थितिक असंतुलन कहते हैं।
कारण:

- वनों की कटाई और जैव विविधता की हानि।
- जलवायु परिवर्तन और बढ़ता प्रदूषण।
- प्राकृतिक संसाधनों का अत्यधिक दोहन।
  प्रभाव:
- प्राकृतिक आपदाओं (सूखा, बाढ़, चक्रवात) में वृद्धि।
- कृषि उत्पादन में कमी।
- पशु-पक्षियों की विलुप्ति।
  समाधान: वृक्षारोपण, जल संरक्षण, ग्रीन एनर्जी का उपयोग।

47. जलवायु परिवर्तन पर कौन-कौन से वैश्विक संगठन काम कर रहे हैं?

उत्तर: कई वैश्विक संगठन जलवायु परिवर्तन से निपटने के लिए काम कर रहे हैं:

1. **संयुक्त राष्ट्र पर्यावरण कार्यक्रम (UNEP):** पर्यावरण संरक्षण।
2. **अंतर्राष्ट्रीय ऊर्जा एजेंसी (IEA):** ऊर्जा दक्षता बढ़ाने पर कार्य।
3. **इंटरगवर्नमेंटल पैनल ऑन क्लाइमेट चेंज (IPCC):** जलवायु परिवर्तन पर वैज्ञानिक रिपोर्ट तैयार करता है।
4. **ग्रीन क्लाइमेट फंड (GCF):** गरीब देशों को जलवायु संकट से निपटने में मदद करता है।
5. **WWF (विश्व वन्यजीव कोष):** जैव विविधता और वन संरक्षण पर काम करता है।

48. ई-कचरा (E-Waste) क्या होता है और इसे कैसे प्रबंधित किया जाता है?

उत्तर: ई-कचरा (E-Waste) वे इलेक्ट्रॉनिक वस्तुएँ हैं जो **बेकार या अनुपयोगी** हो गई हैं, जैसे:

- मोबाइल, कंप्यूटर, लैपटॉप।
- बैटरी, टीवी, प्रिंटर।
- इलेक्ट्रॉनिक खिलौने, केबल, चार्जर।
  हानिकारक प्रभाव:

- जहरीली धातुएँ (सीसा, पारा) जल स्रोतों में मिलकर नुकसान पहुँचाती हैं।
- वायु और मृदा प्रदूषण बढ़ता है।

प्रबंधन के तरीके:

- **रिसाइक्लिंग (Recycling)**: पुराने उपकरणों को फिर से उपयोग में लाना।
- **ई-कचरा संग्रहण केंद्रों का निर्माण।**
- **ई-वेस्ट मैनेजमेंट रूल्स, 2016** के अनुसार कंपनियों को ई-कचरा वापस लेना जरूरी है।

49. नवीकरणीय ऊर्जा (Renewable Energy) के कौन-कौन से स्रोत हैं?

उत्तर: नवीकरणीय ऊर्जा वे ऊर्जा स्रोत होते हैं जो **प्राकृतिक रूप से पुनः उत्पन्न हो सकते हैं**।
प्रमुख स्रोत:

1. **सौर ऊर्जा (Solar Energy):** सूर्य की किरणों से बिजली बनाना।
2. **पवन ऊर्जा (Wind Energy):** हवा की शक्ति से टरबाइन चलाकर बिजली उत्पादन।
3. **जलविद्युत (Hydropower):** पानी के प्रवाह से बिजली बनाना।
4. **जैव ऊर्जा (Biomass Energy):** कृषि कचरे और जैविक पदार्थों से ऊर्जा उत्पादन।
5. **भूतापीय ऊर्जा (Geothermal Energy):** पृथ्वी के अंदर की गर्मी से ऊर्जा उत्पादन।

50. प्लास्टिक प्रदूषण (Plastic Pollution) क्या है और इसे कैसे कम किया जा सकता है?

उत्तर: प्लास्टिक प्रदूषण तब होता है जब प्लास्टिक कचरा **जल, मृदा और वायु को दूषित करता है**। यह पर्यावरण और जीव-जंतुओं के लिए खतरनाक होता है।
कारण:

- प्लास्टिक बैग, बोतलें, और पैकेजिंग सामग्री का अत्यधिक उपयोग।
- प्लास्टिक का पुनर्चक्रण (Recycling) कम होना।
- कचरे का सही निपटान न किया जाना।

समाधान:

- प्लास्टिक के स्थान पर **कागज, जूट और बायोडिग्रेडेबल उत्पादों** का उपयोग।
- **सिंगल-यूज़ प्लास्टिक पर प्रतिबंध**।
- प्लास्टिक कचरे के पुनर्चक्रण को बढ़ावा देना।
- जागरूकता फैलाना और सरकार की **स्वच्छ भारत मिशन** जैसी योजनाओं का समर्थन करना।

51. भारत में कौन-कौन से राष्ट्रीय उद्यान (National Parks) पर्यावरण संरक्षण के लिए महत्वपूर्ण हैं?

उत्तर: भारत में कई राष्ट्रीय उद्यान हैं जो जैव विविधता और पर्यावरण संरक्षण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।
कुछ प्रमुख राष्ट्रीय उद्यान:

1. **जिम कॉर्बेट राष्ट्रीय उद्यान (उत्तराखंड):** भारत का सबसे पुराना राष्ट्रीय उद्यान, बाघ संरक्षण के लिए प्रसिद्ध।
2. **काजीरंगा राष्ट्रीय उद्यान (असम):** एक सींग वाले गैंडे के लिए प्रसिद्ध।
3. **सदर्नाजीर राष्ट्रीय उद्यान (मध्य प्रदेश):** बाघों की सबसे अधिक संख्या वाला पार्क।
4. **गिर राष्ट्रीय उद्यान (गुजरात):** एशियाटिक शेरों का एकमात्र निवास स्थान।
5. **सुंदरबन राष्ट्रीय उद्यान (पश्चिम बंगाल):** रॉयल बंगाल टाइगर और मैंग्रोव वनों के लिए प्रसिद्ध।
   ये उद्यान न केवल वन्यजीव संरक्षण में बल्कि **पर्यावरण संतुलन बनाए रखने में भी मदद करते हैं**।

52. भारत में जल संरक्षण के लिए कौन-कौन सी योजनाएँ चलाई जा रही हैं?

उत्तर: भारत सरकार ने जल संरक्षण के लिए कई योजनाएँ चलाई हैं:

1. **जल शक्ति अभियान:** जल संरक्षण और जल पुनर्भरण को बढ़ावा देना।
2. **अटल भूजल योजना:** भूजल स्तर को बढ़ाने के लिए।
3. **नमामि गंगे योजना:** गंगा नदी की सफाई और पुनर्जीवन के लिए।
4. **प्रधानमंत्री कृषि सिंचाई योजना:** किसानों को जल प्रबंधन के आधुनिक तरीके अपनाने के लिए प्रोत्साहित करना।
5. **राष्ट्रीय जल मिशन:** जल संसाधनों का कुशल प्रबंधन और सतत उपयोग सुनिश्चित करना।

53. ओजोन परत (Ozone Layer) क्या है और यह क्यों महत्वपूर्ण है?

उत्तर: ओजोन परत पृथ्वी के वायुमंडल में **स्ट्रेटोस्फियर** में स्थित एक गैसीय परत है जो **सूर्य की हानिकारक पराबैंगनी (UV) किरणों को अवशोषित करती है**।
महत्व:

- यह **त्वचा कैंसर और मोतियाबिंद** जैसी बीमारियों से बचाव करती है।
- **पौधों और जलीय जीवों** की रक्षा करती है।
- पृथ्वी पर तापमान संतुलन बनाए रखती है।
  खतरा:
- क्लोरोफ्लोरोकार्बन (CFCs) और अन्य प्रदूषकों से ओजोन परत को नुकसान हो रहा है।
  समाधान:
- CFCs का उपयोग कम करना।
- मॉन्ट्रियल प्रोटोकॉल (1987) के अनुसार ओजोन-नाशक गैसों पर प्रतिबंध।
- वैकल्पिक पर्यावरण-अनुकूल शीतलक (Coolants) अपनाना।

54. जैव विविधता हानि (Biodiversity Loss) के कारण क्या हैं और इसे कैसे रोका जा सकता है?

उत्तर: जैव विविधता हानि तब होती है जब विभिन्न प्रकार के पौधे, जानवर और सूक्ष्मजीव विलुप्त हो जाते हैं।
कारण:

- वनों की कटाई और शहरीकरण।
- जलवायु परिवर्तन और प्रदूषण।
- अवैध शिकार और अतिक्रमण।
- मोनोकल्चर खेती (एक ही प्रकार की फसल लगातार उगाना)।
  समाधान:
- **वनों का संरक्षण और वृक्षारोपण।**
- **संरक्षित क्षेत्रों (राष्ट्रीय उद्यान, बायोस्फीयर रिजर्व) का विस्तार।**
- **जैव विविधता अनुकूल खेती को बढ़ावा देना।**
- **वन्यजीव सुरक्षा कानूनों को सख्ती से लागू करना।**

55. ईंधन के रूप में हाइड्रोजन का भविष्य क्या है?

उत्तर: हाइड्रोजन एक **स्वच्छ और कुशल ईंधन** है जिसे भविष्य में पेट्रोल और डीजल का विकल्प माना जा रहा है।
लाभ:

- हाइड्रोजन जलने पर **केवल जल (H_2O) उत्सर्जित करता है, कोई प्रदूषण नहीं।**
- यह **कार्बन मुक्त ऊर्जा स्रोत** है।
- इसे **सौर और पवन ऊर्जा** से उत्पादित किया जा सकता है।
  चुनौतियाँ:
- उत्पादन लागत अधिक है।

- हाइड्रोजन के भंडारण और परिवहन की समस्या।
  भारत सरकार **ग्रीन हाइड्रोजन मिशन** के तहत इसके उपयोग को बढ़ावा दे रही है।

56. किस प्रकार के वृक्षारोपण से पर्यावरण को सबसे अधिक लाभ होता है?

उत्तर: पर्यावरण को सबसे अधिक लाभ वे वृक्ष देते हैं जो **स्थानीय जलवायु और पारिस्थितिकी के अनुकूल** होते हैं।
फायदे देने वाले वृक्ष:

1. **नीम, पीपल, बरगद:** वायु को शुद्ध करते हैं।
2. **बांस:** तेजी से बढ़ता है और कार्बन सोखने की क्षमता अधिक होती है।
3. **मोरिंगा (सहजन):** पोषक तत्वों से भरपूर और मिट्टी सुधारने में सहायक।
4. **मैंग्रोव वृक्ष:** समुद्री तटों पर चक्रवात से बचाव करते हैं।
5. **फलदार वृक्ष (आम, जामुन, कटहल):** जैव विविधता को बढ़ावा देते हैं।

57. भारत में वायु गुणवत्ता सुधारने के लिए कौन-कौन से कदम उठाए जा रहे हैं?

उत्तर: भारत सरकार ने वायु प्रदूषण को कम करने के लिए कई पहल की हैं:

1. **राष्ट्रीय स्वच्छ वायु कार्यक्रम (NCAP):** प्रदूषण कम करने के लिए शहरों में कदम उठाना।
2. **भारत स्टेज VI (BS-VI) मानक:** वाहन उत्सर्जन को कम करने के लिए सख्त नियम लागू।
3. **पराली जलाने पर रोक:** किसानों को वैकल्पिक उपाय उपलब्ध कराना।
4. **इलेक्ट्रिक वाहनों (EV) को बढ़ावा:** पेट्रोल-डीजल पर निर्भरता कम करना।
5. **ग्रीन बेल्ट विकसित करना:** शहरों में पेड़-पौधे लगाना।

58. जलवायु परिवर्तन से निपटने के लिए व्यक्तिगत स्तर पर क्या किया जा सकता है?

उत्तर: प्रत्येक व्यक्ति जलवायु परिवर्तन से निपटने में योगदान दे सकता है:

1. **ऊर्जा की बचत:** LED बल्ब और सौर ऊर्जा का उपयोग करें।
2. **जल संरक्षण:** पानी की बर्बादी न करें, वर्षा जल संचयन अपनाएँ।
3. **पर्यावरण-अनुकूल यात्रा:** साइकिल, सार्वजनिक परिवहन और इलेक्ट्रिक वाहन अपनाएँ।
4. **कम उपभोग और पुन: उपयोग:** पुराने सामान को फिर से उपयोग में लाएँ।
5. **वृक्षारोपण करें:** अधिक से अधिक पेड़ लगाएँ।

59. भारत में वन संरक्षण के लिए कौन-कौन से कानून और योजनाएँ लागू हैं?

उत्तर: भारत सरकार ने वनों के संरक्षण के लिए कई कानून और योजनाएँ लागू की हैं:

1. **भारतीय वन अधिनियम, 1927:** वन भूमि और संसाधनों के उपयोग को नियंत्रित करता है।
2. **वन (संरक्षण) अधिनियम, 1980:** बिना अनुमति के वनों की कटाई पर रोक लगाता है।
3. **राष्ट्रीय वन नीति, 1988:** वनों का सतत विकास सुनिश्चित करने के लिए बनाई गई।
4. **जैव विविधता अधिनियम, 2002:** वन्यजीवों और पारिस्थितिकी तंत्र की सुरक्षा के लिए।
5. **ग्रीन इंडिया मिशन:** वृक्षारोपण को बढ़ावा देने के लिए।

60. सतत विकास (Sustainable Development) क्या है और यह क्यों जरूरी है?

उत्तर: सतत विकास वह विकास है जो वर्तमान आवश्यकताओं को पूरा करता है **बिना भविष्य की पीढ़ियों के संसाधनों से समझौता किए**।
महत्व:

- पर्यावरण को सुरक्षित रखना।
- प्राकृतिक संसाधनों का संतुलित उपयोग।
- जलवायु परिवर्तन से निपटने में मदद।
  उदाहरण:
- **नवीकरणीय ऊर्जा का उपयोग।**
- **स्मार्ट सिटीज और हरित भवनों का निर्माण।**
- **कृषि में जैविक पद्धतियों को अपनाना।**

61. जलवायु परिवर्तन के कारण कौन-कौन सी प्राकृतिक आपदाएँ बढ़ रही हैं?

उत्तर: जलवायु परिवर्तन के कारण कई प्राकृतिक आपदाओं की तीव्रता और आवृत्ति बढ़ रही है, जैसे:

1. **बाढ़ (Floods):** असामान्य बारिश और ग्लेशियर पिघलने के कारण।
2. **सूखा (Droughts):** वर्षा की कमी और जल संकट के कारण।
3. **चक्रवात (Cyclones):** समुद्र के तापमान में वृद्धि से।
4. **वनाग्नि (Forest Fires):** अत्यधिक गर्मी और शुष्क जलवायु के कारण।
5. **भूस्खलन (Landslides):** वनों की कटाई और भारी वर्षा के कारण।

62. रीसाइक्लिंग (Recycling) क्या है और यह पर्यावरण के लिए क्यों महत्वपूर्ण है?

उत्तर: रीसाइक्लिंग वह प्रक्रिया है जिसमें **पुरानी और बेकार वस्तुओं को फिर से उपयोगी बनाया जाता है**।
महत्व:

- **प्राकृतिक संसाधनों की बचत।**
- **कचरे को कम करना और प्रदूषण घटाना।**
- **ऊर्जा की बचत और कार्बन उत्सर्जन कम करना।**
  उदाहरण:
- प्लास्टिक, कागज और धातुओं को दोबारा उपयोग में लाना।
- पुराने कपड़ों से नई चीजें बनाना।
- ई-कचरे का पुनर्चक्रण करना।

63. पारिस्थितिकी तंत्र (Ecosystem) में वन्यजीवों की क्या भूमिका होती है?

उत्तर: वन्यजीव पारिस्थितिकी तंत्र का संतुलन बनाए रखने में मदद करते हैं।
भूमिका:

1. **परागण (Pollination):** मधुमक्खियाँ और तितलियाँ पौधों का प्रजनन सुनिश्चित करती हैं।
2. **शिकारी-शिकार संतुलन:** बाघ और शेर जैसे शिकारी जीवों की उपस्थिति से जंगलों में शिकारियों की संख्या नियंत्रित रहती है।
3. **जैव अपघटन (Decomposition):** गिद्ध और अन्य अपमार्जक (Scavengers) मृत जीवों को खाकर पर्यावरण को साफ रखते हैं।
4. **मृदा उर्वरता:** केंचुए और अन्य जीव मिट्टी की उर्वरता बनाए रखते हैं।

64. कौन-कौन से नवीकरणीय ऊर्जा स्रोत हैं जो भविष्य में पारंपरिक ऊर्जा स्रोतों की जगह ले सकते हैं?

उत्तर: नवीकरणीय ऊर्जा के कई स्रोत भविष्य में कोयला और पेट्रोलियम की जगह ले सकते हैं:

1. **सौर ऊर्जा (Solar Energy):** सूर्य की किरणों से बिजली बनती है।
2. **पवन ऊर्जा (Wind Energy):** हवा से टरबाइन चलाकर बिजली बनाई जाती है।
3. **जलविद्युत (Hydropower):** बहते पानी से बिजली उत्पादन।

4. **जैव ईंधन (Biofuels):** गन्ने और कृषि कचरे से ईंधन बनाया जाता है।
5. **हाइड्रोजन ऊर्जा (Hydrogen Energy):** भविष्य का स्वच्छ ऊर्जा स्रोत।

65. भारत में कौन-कौन से राज्य सबसे अधिक वनाच्छादित हैं?

उत्तर: भारत के कुछ राज्य जहाँ सबसे अधिक वन क्षेत्र हैं:

1. **मध्य प्रदेश:** 77,493 वर्ग किमी (सबसे अधिक वन क्षेत्र)।
2. **अरुणाचल प्रदेश:** घने जंगलों से ढका हुआ।
3. **छत्तीसगढ़:** वन क्षेत्र में दूसरा स्थान।
4. **ओडिशा:** महत्वपूर्ण जैव विविधता हॉटस्पॉट।
5. **महाराष्ट्र और उत्तराखंड:** हरियाली और संरक्षित वन क्षेत्र में प्रमुख।

66. भारत में वायु प्रदूषण की स्थिति सुधारने के लिए कौन-कौन से सरकारी प्रयास किए जा रहे हैं?

उत्तर: भारत सरकार वायु प्रदूषण कम करने के लिए कई योजनाएँ चला रही है:

1. **राष्ट्रीय स्वच्छ वायु कार्यक्रम (NCAP):** 2024 तक प्रदूषण 20-30% कम करने का लक्ष्य।
2. **इलेक्ट्रिक वाहन नीति:** पेट्रोल-डीजल वाहनों की जगह इलेक्ट्रिक वाहनों को बढ़ावा देना।
3. **वृक्षारोपण अभियान:** हरित क्षेत्र बढ़ाने के लिए।
4. **ईंट भट्ठों और उद्योगों पर सख्त नियम:** धुएँ को नियंत्रित करने के लिए।
5. **स्टबल बर्निंग (पराली जलाने) पर रोक:** किसानों को वैकल्पिक तकनीक उपलब्ध कराना।

67. भारत में जल संकट के क्या कारण हैं और इससे निपटने के उपाय क्या हैं?

उत्तर: भारत में जल संकट के कारण:

1. **अत्यधिक जल दोहन:** भूमिगत जल का अत्यधिक उपयोग।
2. **जल स्रोतों का प्रदूषण:** नदियों और झीलों में कचरा और औद्योगिक कचरा।
3. **वर्षा जल संचयन की कमी।**
4. **जलवायु परिवर्तन:** सूखा और असामान्य वर्षा चक्र।
   समाधान:

- वर्षा जल संचयन को बढ़ावा देना।
- गंदे पानी को ट्रीटमेंट करके उपयोग में लाना।
- ड्रिप सिंचाई जैसी आधुनिक सिंचाई तकनीक अपनाना।
- तालाब और झीलों को पुनर्जीवित करना।

68. भारत में जैव विविधता को बचाने के लिए कौन-कौन से राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय समझौते लागू हैं?

उत्तर:
राष्ट्रीय स्तर:

1. **जैव विविधता अधिनियम, 2002**
2. **राष्ट्रीय जैव विविधता कार्य योजना (NBAP)**
   अंतर्राष्ट्रीय स्तर:
3. **संयुक्त राष्ट्र जैव विविधता संधि (CBD)**
4. **रामसर संधि (1971):** आर्द्रभूमियों की सुरक्षा के लिए।
5. **CITES:** वन्यजीवों के अवैध व्यापार को रोकने के लिए।

69. पर्यावरण जागरूकता बढ़ाने के लिए हमें क्या कदम उठाने चाहिए?

उत्तर:

1. **शिक्षा और कार्यशालाएँ आयोजित करें।**
2. **प्लास्टिक मुक्त जीवनशैली अपनाएँ।**
3. **वृक्षारोपण अभियान चलाएँ।**
4. **स्थानीय स्वच्छता अभियानों में भाग लें।**
5. **सौर ऊर्जा और नवीकरणीय ऊर्जा को अपनाएँ।**

70. भारत में पर्यावरण संरक्षण के लिए कौन-कौन से अंतर्राष्ट्रीय दिवस मनाए जाते हैं?

उत्तर: भारत में पर्यावरण जागरूकता बढ़ाने के लिए कई अंतर्राष्ट्रीय दिवस मनाए जाते हैं:

1. **5 जून – विश्व पर्यावरण दिवस** (United Nations Environment Programme द्वारा आयोजित)
2. **22 अप्रैल – पृथ्वी दिवस (Earth Day)**
3. **2 फरवरी – विश्व आर्द्रभूमि दिवस (World Wetlands Day)**
4. **16 सितंबर – ओजोन परत संरक्षण दिवस (World Ozone Day)**
5. **3 मार्च – विश्व वन्यजीव दिवस (World Wildlife Day)**
6. **21 मार्च – विश्व वानिकी दिवस (International Day of Forests)**
7. **22 मार्च – विश्व जल दिवस (World Water Day)**
   इन दिनों को मनाने का उद्देश्य पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूकता बढ़ाना और लोगों को सतत विकास के लिए प्रेरित करना है।

71. क्या है 'कार्बन फुटप्रिंट' और इसे कम करने के तरीके क्या हैं?

उत्तर: कार्बन फुटप्रिंट (Carbon Footprint) उस ग्रीनहाउस गैस (GHG) उत्सर्जन की मात्रा को दर्शाता है जो किसी व्यक्ति, संगठन या देश की गतिविधियों से निकलती है।
कारण:

- जीवाश्म ईंधन (Petrol, Diesel) का उपयोग
- औद्योगिक उत्पादन
- बिजली की अधिक खपत
- कचरे का अनुचित प्रबंधन
  इसे कम करने के तरीके:
- सार्वजनिक परिवहन और साइकिल का उपयोग
- सौर और पवन ऊर्जा को अपनाना
- पौधारोपण और वन संरक्षण
- ऊर्जा की बचत (LED बल्ब, कम बिजली खपत वाले उपकरण)

72. भारत में 'पर्यावरण प्रभाव आकलन' (Environmental Impact Assessment - EIA) क्या है?

उत्तर:
पर्यावरण प्रभाव आकलन (EIA) एक सरकारी प्रक्रिया है जो यह सुनिश्चित करती है कि किसी भी विकास परियोजना से पर्यावरण को अधिक नुकसान न हो।
मुख्य उद्देश्य:

- परियोजनाओं की पर्यावरणीय क्षति को पहचानना

- सतत विकास को बढ़ावा देना
- उद्योगों और सरकार को ग्रीन नीतियों के लिए प्रेरित करना

महत्व:

- वनों की कटाई और प्रदूषण को रोकने में सहायक
- जल स्रोतों की रक्षा
- जैव विविधता संरक्षण में मददगार

73. ग्रीनहाउस गैसें (Greenhouse Gases) क्या हैं और ये कैसे जलवायु परिवर्तन को प्रभावित करती हैं?

उत्तर:

ग्रीनहाउस गैसें (GHGs) वे गैसें हैं जो वातावरण में गर्मी को रोककर पृथ्वी के तापमान को बढ़ाती हैं।

मुख्य ग्रीनहाउस गैसें:

1. **कार्बन डाइऑक्साइड (CO_2):** जीवाश्म ईंधन जलने से निकलती है।
2. **मीथेन (CH_4):** कृषि और गोबर गैस संयंत्रों से।
3. **नाइट्रस ऑक्साइड (N_2O):** उर्वरकों और वाहनों से।
4. **क्लोरोफ्लोरोकार्बन (CFCs):** रेफ्रिजरेटर और एयर कंडीशनर से।

प्रभाव:

- ग्लोबल वार्मिंग को बढ़ावा देती हैं।
- जलवायु परिवर्तन के कारण बाढ़, सूखा, चक्रवात जैसी समस्याएँ उत्पन्न होती हैं।
- समुद्र का जल स्तर बढ़ता है, जिससे द्वीपीय देशों को खतरा होता है।

74. क्या है 'पेरिस समझौता (Paris Agreement)' और इसका उद्देश्य क्या है?

उत्तर:

पेरिस समझौता 2015 में 195 देशों के बीच जलवायु परिवर्तन से निपटने के लिए किया गया था।

उद्देश्य:

- वैश्विक तापमान वृद्धि को **2°C से नीचे** रखना।
- **ग्रीनहाउस गैस उत्सर्जन को कम करना**।
- **नवीकरणीय ऊर्जा स्रोतों** को बढ़ावा देना।
- **विकासशील देशों की मदद** के लिए आर्थिक सहायता देना।

  भारत ने भी इस समझौते पर हस्ताक्षर किए हैं और **2030 तक अपने कार्बन उत्सर्जन को कम करने का लक्ष्य रखा है**।

75. 'एक स्वास्थ्य' (One Health) अवधारणा क्या है और यह पर्यावरण से कैसे जुड़ी है?

उत्तर:

'One Health' एक वैश्विक अवधारणा है जो **मानव स्वास्थ्य, पशु स्वास्थ्य और पर्यावरण स्वास्थ्य** को आपस में जोड़कर देखती है।

मुख्य विचार:

- अगर पर्यावरण स्वच्छ रहेगा, तो मानव और पशु स्वस्थ रहेंगे।
- प्रदूषण और जलवायु परिवर्तन से नई बीमारियाँ जन्म ले सकती हैं।
- कोविड-19 जैसी महामारी बताती है कि वन्यजीवों और मानवों के बीच असंतुलन खतरनाक हो सकता है।

उदाहरण:

- वनों की कटाई से वन्यजीवों के वायरस मनुष्यों तक पहुँच सकते हैं।

- पशु-पक्षियों में होने वाली बीमारियाँ (Zoonotic Diseases) इंसानों तक फैल सकती हैं।

76. पर्यावरण संरक्षण में स्थानीय समुदायों की क्या भूमिका हो सकती है?

उत्तर:
स्थानीय समुदाय पर्यावरण संरक्षण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं:

1. **पारंपरिक ज्ञान:** आदिवासी और ग्रामीण समुदाय वनों और जल स्रोतों के संरक्षण के पारंपरिक तरीके जानते हैं।
2. **स्थानीय स्तर पर निगरानी:** वे अवैध कटाई और शिकार को रोकने में मदद कर सकते हैं।
3. **वृक्षारोपण और जल संरक्षण:** ग्राम स्तर पर छोटे जलाशयों और जंगलों की रक्षा कर सकते हैं।
4. **स्वच्छता और अपशिष्ट प्रबंधन:** कचरे को सही तरीके से निपटाने और प्लास्टिक मुक्त गाँव बनाने में योगदान।

77. भारत में ई-कचरा (E-Waste) प्रबंधन की स्थिति क्या है?

उत्तर:
ई-कचरा (E-Waste) से तात्पर्य **पुराने मोबाइल, लैपटॉप, टीवी, बैटरी, और अन्य इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों से निकलने वाले कचरे** से है।
समस्याएँ:

- ई-कचरे में **सीसा, पारा, कैडमियम** जैसे विषैले तत्व होते हैं।
- इसका सही निपटान न होने से **मिट्टी और जल स्रोत दूषित होते हैं**।
  भारत में प्रयास:
- **E-Waste Management Rules, 2016** के तहत कंपनियों को ई-कचरा रीसाइक्लिंग की जिम्मेदारी दी गई है।
- कई ई-कचरा रीसाइक्लिंग कंपनियाँ स्थापित की गई हैं।
- जागरूकता बढ़ाने के लिए अभियान चलाए जा रहे हैं।

78. सतत कृषि (Sustainable Agriculture) क्या है और इसके लाभ क्या हैं?

उत्तर:
सतत कृषि वह खेती पद्धति है जिसमें **पर्यावरण को नुकसान पहुँचाए बिना** खाद्य उत्पादन किया जाता है।
लाभ:

1. **जैविक खादों का उपयोग** करके मिट्टी की उर्वरता बनाए रखना।
2. **कम पानी वाली सिंचाई तकनीकें** अपनाना।
3. **फसल विविधीकरण (Crop Rotation)** अपनाकर मिट्टी की गुणवत्ता बढ़ाना।
4. **कीटनाशकों का कम प्रयोग** ताकि जल स्रोत सुरक्षित रहें।

79. कौन-कौन से संगठन पर्यावरण संरक्षण के लिए काम कर रहे हैं?

उत्तर:
अंतर्राष्ट्रीय संगठन:

1. **संयुक्त राष्ट्र पर्यावरण कार्यक्रम (UNEP)**
2. **ग्रीनपीस (Greenpeace)**
3. **वर्ल्ड वाइल्डलाइफ फंड (WWF)**

भारतीय संगठन:

1. **भारतीय वन्यजीव संस्थान (WII)**

2. **टेरी (TERI – The Energy and Resources Institute)**
3. **सेंटर फॉर साइंस एंड एनवायरनमेंट (CSE)**

80. जैविक खेती (Organic Farming) क्या है और इसके क्या फायदे हैं?

उत्तर: जैविक खेती एक ऐसी खेती पद्धति है जिसमें **रासायनिक उर्वरकों, कीटनाशकों और संशोधित बीजों का उपयोग किए बिना** प्राकृतिक तरीकों से फसल उगाई जाती है।
फायदे:

1. **मिट्टी की उर्वरता बनी रहती है।**
2. **स्वस्थ और पोषणयुक्त खाद्य उत्पाद मिलते हैं।**
3. **जल स्रोतों का रासायनिक प्रदूषण नहीं होता।**
4. **कृषि उत्पादों की अंतर्राष्ट्रीय बाजार में अधिक मांग होती है।**

81. कौन-कौन सी पर्यावरणीय समस्याएँ शहरों में अधिक पाई जाती हैं?

उत्तर:
शहरों में पर्यावरणीय समस्याएँ अधिक गंभीर होती हैं, जैसे:

1. **वायु प्रदूषण:** गाड़ियों और उद्योगों से निकलने वाला धुआँ।
2. **जल प्रदूषण:** गंदे नालों और फैक्ट्रियों का अपशिष्ट नदियों में गिरना।
3. **शोर प्रदूषण:** ट्रैफिक, उद्योगों और निर्माण कार्यों की अधिकता।
4. **कचरा प्रबंधन की समस्या:** ठोस कचरे और प्लास्टिक का अनियंत्रित निपटान।
5. **हरी भूमि की कमी:** पेड़ों की कटाई और कंक्रीट के जंगलों का बढ़ना।

82. जलवायु परिवर्तन का जैव विविधता पर क्या प्रभाव पड़ता है?

उत्तर: जलवायु परिवर्तन के कारण जैव विविधता पर नकारात्मक प्रभाव पड़ते हैं:

1. **वनों का क्षय:** अधिक तापमान और सूखे के कारण वन नष्ट हो रहे हैं।
2. **प्रजातियों का विलुप्त होना:** कई जीव-जन्तु बदलते तापमान में जीवित नहीं रह पाते।
3. **समुद्री पारिस्थितिकी तंत्र पर असर:** समुद्र के तापमान में वृद्धि से मूंगा चट्टानें (Coral Reefs) नष्ट हो रही हैं।
4. **खाद्य शृंखला में बदलाव:** कई जानवर अपने भोजन स्रोत खो देते हैं, जिससे पारिस्थितिकी असंतुलित हो जाती है।

83. भारत में सबसे अधिक प्रदूषित शहर कौन-कौन से हैं?

उत्तर: भारत में कई शहरों में प्रदूषण स्तर खतरनाक स्थिति में है।

1. **दिल्ली** – वायु प्रदूषण सबसे अधिक।
2. **कानपुर** – औद्योगिक प्रदूषण और गंगा जल प्रदूषण।
3. **वाराणसी** – जल और वायु प्रदूषण की समस्या।
4. **पटना** – बढ़ती गाड़ियों और निर्माण कार्यों के कारण प्रदूषण।
5. **मुंबई** – औद्योगिक और समुद्री प्रदूषण।

84. प्लास्टिक प्रदूषण को कम करने के लिए क्या उपाय किए जा सकते हैं?

उत्तर:

1. **प्लास्टिक की थैलियों की जगह कपड़े या जूट के बैग इस्तेमाल करें।**

2. **प्लास्टिक की बोतलों की जगह स्टील या कांच की बोतलें अपनाएँ।**
3. **रीसाइक्लिंग को बढ़ावा दें।**
4. **सरकार द्वारा सिंगल-यूज प्लास्टिक पर प्रतिबंध का पालन करें।**
5. **समुद्र और नदियों में प्लास्टिक कचरा डालने से बचें।**

85. हरित ऊर्जा (Green Energy) क्या होती है और इसके प्रकार क्या हैं?

उत्तर: हरित ऊर्जा वे ऊर्जा स्रोत होते हैं जो पर्यावरण को नुकसान पहुँचाए बिना बिजली या ऊर्जा का उत्पादन करते हैं।
प्रकार:

1. **सौर ऊर्जा (Solar Energy)** – सूर्य की रोशनी से बिजली बनाना।
2. **पवन ऊर्जा (Wind Energy)** – हवा से टरबाइन चलाकर बिजली बनाना।
3. **जलविद्युत (Hydropower)** – बहते पानी से बिजली उत्पादन।
4. **जैव ऊर्जा (Bioenergy)** – कृषि अवशेषों और जैव ईंधन से ऊर्जा बनाना।
5. **भूतापीय ऊर्जा (Geothermal Energy)** – पृथ्वी की गर्मी से बिजली बनाना।

86. शहरीकरण (Urbanization) का पर्यावरण पर क्या प्रभाव पड़ता है?

उत्तर:

1. **वायु प्रदूषण:** गाड़ियों और उद्योगों से निकलने वाले धुएँ के कारण।
2. **जल संकट:** अधिक जनसंख्या के कारण पानी की माँग बढ़ जाती है।
3. **कचरा प्रबंधन की समस्या:** शहरों में अधिक कचरा पैदा होता है, जिसे नष्ट करना मुश्किल होता है।
4. **हरित क्षेत्र की कमी:** नए निर्माण कार्यों के लिए पेड़ काटे जाते हैं।
5. **गर्मी द्वीप प्रभाव (Urban Heat Island Effect):** कंक्रीट की अधिकता के कारण शहरों का तापमान अधिक हो जाता है।

87. किस प्रकार के उद्योग पर्यावरण को सबसे अधिक नुकसान पहुँचाते हैं?

उत्तर:

1. **रासायनिक उद्योग:** हानिकारक गैसें और जहरीला कचरा पैदा करते हैं।
2. **खनन उद्योग:** जंगलों की कटाई और जल स्रोतों को दूषित करता है।
3. **सीमेंट और ईंट भट्ठे:** अत्यधिक वायु प्रदूषण उत्पन्न करते हैं।
4. **प्लास्टिक उद्योग:** प्लास्टिक कचरा पैदा करता है, जिसे नष्ट करना कठिन होता है।
5. **कपड़ा और चमड़ा उद्योग:** भारी मात्रा में जल प्रदूषण करता है।

88. भारत सरकार द्वारा चलाए जा रहे प्रमुख पर्यावरण संरक्षण कार्यक्रम कौन-कौन से हैं?

उत्तर:

1. **राष्ट्रीय स्वच्छ गंगा मिशन (Namami Gange)।**
2. **राष्ट्रीय वनीकरण कार्यक्रम।**
3. **राष्ट्रीय कार्य योजना जलवायु परिवर्तन के लिए (NAPCC)।**
4. **स्वच्छ भारत अभियान।**
5. **ग्रीन इंडिया मिशन।**

89. स्थायी विकास (Sustainable Development) के मुख्य सिद्धांत क्या हैं?

उत्तर:

1. **पर्यावरणीय संरक्षण:** प्राकृतिक संसाधनों का सतत उपयोग।
2. **आर्थिक विकास:** पर्यावरण को नुकसान पहुँचाए बिना औद्योगिक और तकनीकी विकास।
3. **सामाजिक समानता:** सभी लोगों को स्वच्छ जल, हवा और स्वास्थ्य सेवाओं की उपलब्धता।
4. **नवीकरणीय ऊर्जा का उपयोग:** हरित ऊर्जा को बढ़ावा देना।
5. **अपशिष्ट प्रबंधन:** कचरे को रिसाइकिल और पुन: उपयोग करना।

90. पर्यावरण संरक्षण में विद्यार्थियों की क्या भूमिका हो सकती है?

उत्तर:

1. **स्कूल और कॉलेजों में वृक्षारोपण अभियान चलाना।**
2. **प्लास्टिक का कम से कम उपयोग करना।**
3. **ऊर्जा बचत (Electricity और Water Conservation) को अपनाना।**
4. **समाज में जागरूकता फैलाना।**
5. **कचरा प्रबंधन में भाग लेना और रिसाइक्लिंग को बढ़ावा देना।**

91. भारत में कौन-कौन से वन्यजीव संरक्षण अधिनियम लागू किए गए हैं?

उत्तर: भारत में वन्यजीवों की सुरक्षा के लिए कई कानून लागू किए गए हैं:

1. **वन्यजीव संरक्षण अधिनियम, 1972** – यह अधिनियम दुर्लभ और लुप्तप्राय प्रजातियों की सुरक्षा करता है।
2. **भारतीय वन अधिनियम, 1927** – यह वन संसाधनों के संरक्षण और प्रबंधन के लिए लागू किया गया था।
3. **पर्यावरण संरक्षण अधिनियम, 1986** – यह कानून पर्यावरण प्रदूषण को रोकने और जैव विविधता की रक्षा के लिए बना।
4. **वन अधिकार अधिनियम, 2006** – यह कानून आदिवासियों और वनवासियों के अधिकारों को सुरक्षित करता है।

92. जल संरक्षण के लिए कौन-कौन से उपाय किए जा सकते हैं?

उत्तर:

1. **वर्षा जल संचयन (Rainwater Harvesting) को अपनाना।**
2. **टपक (Drip) सिंचाई पद्धति का उपयोग करना।**
3. **नदियों और झीलों को स्वच्छ और संरक्षित रखना।**
4. **पानी की बर्बादी रोकने के लिए रिसाइकलिंग और पुन: उपयोग (Reuse) को बढ़ावा देना।**
5. **कम पानी वाली फसलें उगाने को प्रोत्साहित करना।**

93. ओजोन परत क्या है और इसे क्षति पहुँचाने वाले तत्व कौन-कौन से हैं?

उत्तर: ओजोन परत पृथ्वी के वायुमंडल की एक परत है, जो सूर्य की हानिकारक पराबैंगनी (UV) किरणों से बचाव करती है।
ओजोन परत को नुकसान पहुँचाने वाले तत्व:

1. **क्लोरोफ्लोरोकार्बन (CFCs)** – रेफ्रिजरेटर, एसी और एयरोसोल स्प्रे में पाए जाते हैं।
2. **हैलोकार्बन गैसें** – औद्योगिक गतिविधियों में उपयोग होती हैं।
3. **नाइट्रस ऑक्साइड (N_2O)** – वाहनों और उर्वरकों से निकलती है।
4. **हाइड्रोफ्लोरोकार्बन (HFCs) और परफ्लोरोकार्बन (PFCs)** – कुछ औद्योगिक गैसों में पाई जाती हैं।

94. शून्य अपशिष्ट (Zero Waste) अवधारणा क्या है और इसके लाभ क्या हैं?

उत्तर: शून्य अपशिष्ट का अर्थ है **अपशिष्ट को कम से कम उत्पन्न करना और उसे पुन: उपयोग या रिसाइक्लिंग के माध्यम से पर्यावरण में न जाने देना**।

लाभ:

1. **पर्यावरण प्रदूषण कम होता है।**
2. **प्राकृतिक संसाधनों की बचत होती है।**
3. **भूमि भराव क्षेत्रों (Landfills) का बोझ कम होता है।**
4. **ऊर्जा की बचत होती है, क्योंकि नए उत्पाद बनाने में अधिक ऊर्जा लगती है।**

95. सतत ऊर्जा (Sustainable Energy) क्या होती है और इसके महत्व क्या हैं?

उत्तर: सतत ऊर्जा वह ऊर्जा है जो बिना खत्म हुए लंबे समय तक उपयोग की जा सकती है और पर्यावरण को नुकसान नहीं पहुँचाती।

महत्व:

1. **कार्बन उत्सर्जन कम होता है।**
2. **जीवाश्म ईंधन (कोयला, पेट्रोल, डीजल) की निर्भरता घटती है।**
3. **लंबे समय तक किफायती और सुरक्षित ऊर्जा उपलब्ध होती है।**
4. **ग्लोबल वार्मिंग और जलवायु परिवर्तन को रोकने में सहायक।**

96. भारत में कौन-कौन से जल प्रदूषण रोकने के कानून हैं?

उत्तर:

1. **जल (प्रदूषण निवारण और नियंत्रण) अधिनियम, 1974** – उद्योगों और घरेलू स्रोतों से जल प्रदूषण रोकने के लिए लागू।
2. **पर्यावरण संरक्षण अधिनियम, 1986** – जल प्रदूषण को रोकने के लिए कठोर प्रावधान।
3. **गंगा कार्य योजना, 1985** – गंगा नदी को प्रदूषण मुक्त करने के लिए बनाई गई योजना।
4. **राष्ट्रीय जल नीति, 2012** – जल संसाधनों के सतत उपयोग और संरक्षण के लिए लागू की गई।

97. पारिस्थितिक तंत्र (Ecosystem) क्या होता है और इसके कितने प्रकार होते हैं?

उत्तर: पारिस्थितिक तंत्र जीवों और उनके भौतिक वातावरण के बीच संतुलन बनाए रखने वाली एक प्राकृतिक प्रणाली है।

प्रकार:

1. **स्थलीय पारिस्थितिकी तंत्र (Terrestrial Ecosystem):** जंगल, घास के मैदान, रेगिस्तान।
2. **जल पारिस्थितिकी तंत्र (Aquatic Ecosystem):** महासागर, नदियाँ, झीलें, दलदल।
3. **मानव निर्मित पारिस्थितिकी तंत्र (Artificial Ecosystem):** कृषि क्षेत्र, बागान, शहर।

98. भारत में वन क्षेत्र को बढ़ाने के लिए कौन-कौन से प्रयास किए जा रहे हैं?

उत्तर:

1. **वन महोत्सव अभियान** – हर साल बड़े पैमाने पर वृक्षारोपण किया जाता है।
2. **राष्ट्रीय वनीकरण कार्यक्रम** – वनों की बहाली और संवर्धन के लिए लागू किया गया।
3. **ग्रीन इंडिया मिशन** – वन क्षेत्र बढ़ाने और पारिस्थितिकी तंत्र को बचाने के लिए शुरू किया गया।
4. **जैव विविधता अधिनियम, 2002** – वन्यजीवों और पारिस्थितिक तंत्र की सुरक्षा के लिए लागू।

99. जलवायु परिवर्तन से कृषि पर क्या प्रभाव पड़ सकता है?

उत्तर:

1. **अनियमित वर्षा से फसलों को नुकसान होता है।**
2. **बढ़ता तापमान मिट्टी की उर्वरता को कम करता है।**
3. **सूखा और बाढ़ जैसी समस्याएँ अधिक होती हैं।**
4. **कीट और बीमारियाँ अधिक तेजी से फैलती हैं।**
5. **कृषि उत्पादन में कमी आती है, जिससे खाद्य संकट उत्पन्न हो सकता है।**

100. हम व्यक्तिगत स्तर पर पर्यावरण संरक्षण में कैसे योगदान कर सकते हैं?

उत्तर:

1. **बिजली और पानी की बचत करें।**
2. **प्लास्टिक का कम से कम उपयोग करें।**
3. **पेड़ लगाएँ और हरियाली बनाए रखें।**
4. **सार्वजनिक परिवहन या साइकिल का अधिक उपयोग करें।**
5. **अपशिष्ट को कम करें, पुन: उपयोग करें और रिसाइक्लिंग को बढ़ावा दें।**
6. **स्थानीय और जैविक उत्पादों को अपनाएँ।**

101. भारत सरकार द्वारा 2070 तक 'नेट ज़ीरो' लक्ष्य का क्या अर्थ है?

उत्तर: 'नेट ज़ीरो' का मतलब है कि **भारत 2070 तक जितना कार्बन उत्सर्जन करेगा, उतना ही कार्बन अवशोषित भी करेगा, जिससे कुल कार्बन उत्सर्जन शून्य हो जाएगा**।
लक्ष्य हासिल करने के लिए उपाय:

1. **नवीकरणीय ऊर्जा को बढ़ावा देना।**
2. **इलेक्ट्रिक वाहनों का अधिक उपयोग।**
3. **वृक्षारोपण और कार्बन अवशोषण को बढ़ावा देना।**
4. **उद्योगों में स्वच्छ ऊर्जा अपनाना।**

102. जलवायु परिवर्तन से निपटने के लिए अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर कौन-कौन से समझौते किए गए हैं?

उत्तर: जलवायु परिवर्तन से निपटने के लिए कई वैश्विक समझौते किए गए हैं:

1. **क्योटो प्रोटोकॉल (1997):** ग्रीनहाउस गैस उत्सर्जन को कम करने के लिए विकसित देशों पर कानूनी बाध्यता लगाई गई।
2. **पेरिस समझौता (2015):** वैश्विक तापमान वृद्धि को 2°C से नीचे रखने और 1.5°C तक सीमित करने का लक्ष्य।
3. **संयुक्त राष्ट्र जलवायु परिवर्तन सम्मेलन (COP):** हर साल जलवायु परिवर्तन पर चर्चा और नीतियाँ बनाने के लिए आयोजित किया जाता है।
4. **ग्लासगो जलवायु संधि (COP26, 2021):** जीवाश्म ईंधन के उपयोग को कम करने और कार्बन उत्सर्जन में कटौती का संकल्प।

103. स्थायी जीवन शैली (Sustainable Lifestyle) अपनाने के क्या फायदे हैं?

उत्तर: स्थायी जीवन शैली का अर्थ है **ऐसी जीवनशैली अपनाना जो पर्यावरण को कम से कम नुकसान पहुँचाए**।
फायदे:

1. **प्राकृतिक संसाधनों का संरक्षण होता है।**
2. **ऊर्जा और पानी की बचत होती है।**
3. **स्वस्थ और प्रदूषण रहित जीवन मिलता है।**
4. **कचरा कम उत्पन्न होता है।**

5. **पर्यावरण संतुलन बना रहता है।**

104. नदियों को बचाने के लिए कौन-कौन से उपाय किए जा सकते हैं?

उत्तर:

1. **नदियों में कचरा और औद्योगिक कचरे को फेंकने से रोकना।**
2. **नदी किनारे वृक्षारोपण को बढ़ावा देना।**
3. **जल संरक्षण तकनीकों जैसे वर्षा जल संचयन को अपनाना।**
4. **नदी सफाई अभियानों में भाग लेना।**
5. **जल संरक्षण कानूनों का सख्ती से पालन करना।**

105. ई-कचरा (E-Waste) क्या है और इसका प्रबंधन कैसे किया जा सकता है?

उत्तर: ई-कचरा वे **इलेक्ट्रॉनिक उपकरण होते हैं जो खराब हो जाते हैं या अनुपयोगी हो जाते हैं**, जैसे – मोबाइल, लैपटॉप, टीवी, बैटरियाँ आदि।
प्रबंधन के उपाय:

1. **ई-कचरे को रिसाइकलिंग प्लांट में भेजें।**
2. **पुराने इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों को पुन: उपयोग (Reuse) करें।**
3. **कंपनियों द्वारा ई-कचरा संग्रहण योजनाओं में भाग लें।**
4. **सरकार द्वारा बनाए गए ई-कचरा निपटान नियमों का पालन करें।**

106. भारत में वायु प्रदूषण को कम करने के लिए सरकार कौन-कौन से कदम उठा रही है?

उत्तर:

1. **नेशनल क्लीन एयर प्रोग्राम (NCAP):** 102 शहरों में वायु प्रदूषण कम करने के लिए।
2. **भारत स्टेज (BS-VI) वाहन उत्सर्जन मानक:** गाड़ियों से निकलने वाले धुएँ को नियंत्रित करने के लिए।
3. **पराली जलाने पर प्रतिबंध:** खेतों में फसलों के अवशेष जलाने से वायु प्रदूषण बढ़ता है।
4. **स्वच्छ ईंधन (CNG, इलेक्ट्रिक वाहन) को बढ़ावा देना।**
5. **वृक्षारोपण कार्यक्रम चलाना।**

107. जल संकट का समाधान करने के लिए कौन-कौन से वैश्विक प्रयास हो रहे हैं?

उत्तर:

1. **संयुक्त राष्ट्र का "जल के लिए दशक" (2018-2028) अभियान।**
2. **2030 तक "सभी के लिए स्वच्छ जल" उपलब्ध कराने का लक्ष्य।**
3. **वर्ल्ड वाटर काउंसिल द्वारा जल संरक्षण कार्यक्रम।**
4. **वर्षा जल संचयन और समुद्री जल को पीने योग्य बनाने की तकनीकें।**

108. प्लास्टिक प्रदूषण को रोकने के लिए कौन-कौन से अंतर्राष्ट्रीय समझौते हुए हैं?

उत्तर:

1. **बेसल कन्वेंशन (1989):** खतरनाक कचरे के अंतर्राष्ट्रीय व्यापार को नियंत्रित करता है।
2. **"प्लास्टिक समझौता" (Plastic Pact):** कई देशों द्वारा प्लास्टिक उपयोग को सीमित करने का संकल्प।
3. **संयुक्त राष्ट्र का 2022 प्लास्टिक प्रदूषण समझौता:** समुद्र और जल स्रोतों में प्लास्टिक प्रदूषण रोकने के लिए।

109. जैव विविधता (Biodiversity) को संरक्षित करने के लिए कौन-कौन से उपाय किए जा सकते हैं?

उत्तर:

1. **राष्ट्रीय उद्यान और वन्यजीव अभयारण्यों का संरक्षण।**
2. **वृक्षारोपण और वनों की रक्षा।**
3. **अवैध शिकार और वन्यजीव व्यापार पर प्रतिबंध।**
4. **जैव विविधता संरक्षण कानूनों का पालन।**
5. **स्थानीय और पारंपरिक फसलों की खेती को बढ़ावा देना।**

110. भारत में किन-किन स्थानों को "विश्व धरोहर स्थल" (World Heritage Sites) घोषित किया गया है जो पर्यावरण से जुड़े हैं?

उत्तर:

1. **काजीरंगा राष्ट्रीय उद्यान (असम)।**
2. **सुंदरबन राष्ट्रीय उद्यान (पश्चिम बंगाल)।**
3. **केवलादेव राष्ट्रीय उद्यान (राजस्थान)।**
4. **नंदा देवी और फूलों की घाटी राष्ट्रीय उद्यान (उत्तराखंड)।**
5. **पश्चिमी घाट (Western Ghats)।**

111. इलेक्ट्रिक वाहनों (EVs) को बढ़ावा देने से पर्यावरण को क्या लाभ होगा?

उत्तर:

1. **वायु प्रदूषण कम होगा, क्योंकि EVs से धुआँ नहीं निकलता।**
2. **जीवाश्म ईंधन (पेट्रोल-डीजल) की खपत कम होगी।**
3. **शहरों में ध्वनि प्रदूषण कम होगा।**
4. **कार्बन फुटप्रिंट घटेगा और जलवायु परिवर्तन की गति धीमी होगी।**

112. जलवायु परिवर्तन से जुड़ी आपदाएँ कौन-कौन सी हैं?

उत्तर:

1. **बढ़ते तापमान के कारण ग्लेशियर पिघलना।**
2. **सूखा और फसलों का नुकसान।**
3. **बाढ़ और चक्रवातों की तीव्रता में वृद्धि।**
4. **समुद्री जल स्तर में वृद्धि, जिससे तटीय क्षेत्र डूब सकते हैं।**

113. "नीला कार्बन" (Blue Carbon) क्या होता है और इसका पर्यावरण पर क्या प्रभाव है?

उत्तर: नीला कार्बन उन **कार्बन डाइऑक्साइड उत्सर्जनों को कहते हैं जो समुद्री पारिस्थितिक तंत्र (जैसे मैंग्रोव, समुद्री घास और नमभूमि) में संग्रहीत होते हैं**।

महत्व:

1. **जलवायु परिवर्तन को धीमा करने में मदद करता है।**
2. **समुद्री पारिस्थितिकी तंत्र को स्वस्थ रखता है।**
3. **समुद्री जीवों के लिए सुरक्षित आवास प्रदान करता है।**

114. कार्बन फुटप्रिंट (Carbon Footprint) क्या होता है और इसे कम करने के उपाय क्या हैं?

उत्तर: कार्बन फुटप्रिंट से तात्पर्य किसी व्यक्ति, संगठन या देश द्वारा प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से किए गए **कार्बन डाइऑक्साइड (CO_2) और अन्य ग्रीनहाउस गैसों के उत्सर्जन की कुल मात्रा** से है।
इसे कम करने के उपाय:

1. **नवीकरणीय ऊर्जा (सौर, पवन) का उपयोग करना।**
2. **इलेक्ट्रिक वाहन या सार्वजनिक परिवहन अपनाना।**
3. **स्थानीय और जैविक खाद्य पदार्थों का उपयोग करना।**
4. **ऊर्जा की बचत करना, जैसे LED बल्बों का उपयोग।**
5. **पेड़ लगाना और हरियाली को बढ़ावा देना।**

115. जैविक खेती (Organic Farming) क्या है और इसके क्या लाभ हैं?

उत्तर: जैविक खेती एक **कृषि प्रणाली है जिसमें रासायनिक उर्वरकों और कीटनाशकों का उपयोग नहीं किया जाता और प्राकृतिक विधियों से फसल उगाई जाती है**।
लाभ:

1. **मिट्टी की उर्वरता बनी रहती है।**
2. **जल प्रदूषण कम होता है।**
3. **स्वास्थ्य के लिए सुरक्षित भोजन मिलता है।**
4. **जैव विविधता का संरक्षण होता है।**
5. **पर्यावरण अनुकूल कृषि प्रणाली विकसित होती है।**

116. वैश्विक तापमान वृद्धि (Global Warming) को कम करने के लिए कौन-कौन से उपाय किए जा सकते हैं?

उत्तर:

1. **नवीकरणीय ऊर्जा स्रोतों को अपनाना।**
2. **वनों की कटाई रोकना और वृक्षारोपण को बढ़ावा देना।**
3. **इलेक्ट्रिक वाहनों का उपयोग करना।**
4. **ऊर्जा की बचत करने वाली तकनीकों को अपनाना।**
5. **औद्योगिक अपशिष्ट को कम करना और कार्बन कैप्चर तकनीकों को बढ़ावा देना।**

117. ग्रीनहाउस प्रभाव (Greenhouse Effect) क्या है और इसके क्या दुष्प्रभाव हैं?

उत्तर: ग्रीनहाउस प्रभाव तब होता है जब **ग्रीनहाउस गैसें (CO_2, CH_4, N_2O) वायुमंडल में गर्मी को रोककर पृथ्वी के तापमान को बढ़ा देती हैं**।
दुष्प्रभाव:

1. **ग्लेशियरों के पिघलने से समुद्र का जल स्तर बढ़ना।**
2. **अत्यधिक गर्मी और मौसम में बदलाव।**
3. **प्राकृतिक आपदाओं (सूखा, बाढ़, तूफान) की तीव्रता में वृद्धि।**
4. **कृषि उत्पादन पर प्रतिकूल प्रभाव।**

118. भारत सरकार ने कौन-कौन से महत्वपूर्ण पर्यावरणीय कार्यक्रम शुरू किए हैं?

उत्तर:

1. **स्वच्छ भारत अभियान (2014)** – स्वच्छता और कचरा प्रबंधन को बढ़ावा देने के लिए।
2. **नमामि गंगे योजना (2015)** – गंगा नदी की सफाई और संरक्षण के लिए।
3. **ग्रीन इंडिया मिशन (2014)** – वनों के संरक्षण और वृक्षारोपण को बढ़ावा देने के लिए।
4. **राष्ट्रीय सौर मिशन (2010)** – सौर ऊर्जा को बढ़ावा देने के लिए।
5. **राष्ट्रीय जैव विविधता कार्य योजना (NBAP)** – जैव विविधता की सुरक्षा के लिए।

119. माइक्रोप्लास्टिक (Microplastic) क्या है और यह पर्यावरण के लिए हानिकारक क्यों है?

उत्तर: माइक्रोप्लास्टिक वे **छोटे प्लास्टिक कण (5 मिमी से छोटे) होते हैं जो जल स्रोतों, मृदा और वायुमंडल में प्रदूषण फैलाते हैं**।
हानिकारक प्रभाव:

1. **समुद्री जीव-जंतुओं के स्वास्थ्य पर बुरा प्रभाव।**
2. **पानी और भोजन में मिलकर मानव स्वास्थ्य को नुकसान पहुँचाते हैं।**
3. **मिट्टी की उर्वरता को कम करते हैं।**
4. **जल स्रोतों को दूषित करते हैं।**

120. प्रकृति-आधारित समाधान (Nature-Based Solutions - NBS) क्या होते हैं?

उत्तर: प्रकृति-आधारित समाधान वे उपाय हैं जो **प्राकृतिक पारिस्थितिक तंत्र का उपयोग करके पर्यावरणीय और सामाजिक समस्याओं का समाधान करते हैं**।
उदाहरण:

1. **हरित ढाल (Green Belt) विकसित करना।**
2. **मैंग्रोव वनों का संरक्षण करना।**
3. **शहरों में हरित क्षेत्र बढ़ाना।**
4. **वर्षा जल संचयन और प्राकृतिक जल स्रोतों को पुनर्जीवित करना।**

121. "इको-टूरिज्म" (Eco-Tourism) क्या है और इसके लाभ क्या हैं?

उत्तर: इको-टूरिज्म एक **पर्यावरण-अनुकूल पर्यटन प्रणाली है जिसमें प्राकृतिक स्थलों का दौरा किया जाता है और वहाँ की जैव विविधता को संरक्षित किया जाता है**।
लाभ:

1. **स्थानीय समुदायों की आय बढ़ती है।**
2. **पर्यावरण को कम नुकसान पहुँचता है।**
3. **जैव विविधता का संरक्षण होता है।**
4. **संस्कृति और प्रकृति को समझने का अवसर मिलता है।**

122. वैश्विक स्तर पर जलवायु वित्त (Climate Finance) का क्या महत्व है?

उत्तर: जलवायु वित्त वह **आर्थिक सहायता है जो विकसित देश विकासशील देशों को जलवायु परिवर्तन से निपटने के लिए प्रदान करते हैं**।
महत्व:

1. **नवीकरणीय ऊर्जा परियोजनाओं को वित्तीय सहायता।**

2. **जलवायु परिवर्तन से प्रभावित देशों को मदद।**
3. **हरित प्रौद्योगिकियों के विकास को बढ़ावा।**
4. **गरीब देशों की अर्थव्यवस्था को समर्थन।**

123. वन अधिकार अधिनियम (Forest Rights Act, 2006) का क्या उद्देश्य है?

उत्तर: इस अधिनियम का उद्देश्य **आदिवासियों और वनवासियों को उनके परंपरागत वन संसाधनों पर कानूनी अधिकार प्रदान करना** है।
मुख्य प्रावधान:

1. **व्यक्तिगत वन अधिकार (Individual Forest Rights - IFR)।**
2. **सामुदायिक वन अधिकार (Community Forest Rights - CFR)।**
3. **पर्यावरणीय संरक्षण और आजीविका का समर्थन।**

124. सर्कुलर इकॉनॉमी (Circular Economy) क्या है और इसके फायदे क्या हैं?

उत्तर: सर्कुलर इकॉनॉमी एक **आर्थिक प्रणाली है जिसमें उत्पादों और सामग्रियों को पुन: उपयोग, मरम्मत और रिसाइक्लिंग के माध्यम से लंबे समय तक उपयोग किया जाता है**।
फायदे:

1. **कचरे की मात्रा कम होती है।**
2. **प्राकृतिक संसाधनों की बचत होती है।**
3. **ऊर्जा की खपत घटती है।**
4. **पर्यावरणीय स्थिरता बनी रहती है।**

125. "वन हेल्थ" (One Health) अवधारणा क्या है और इसका महत्व क्या है?

उत्तर: वन हेल्थ एक **समग्र दृष्टिकोण है जो मानव स्वास्थ्य, पशु स्वास्थ्य और पर्यावरण के बीच परस्पर संबंध को पहचानता है**।
महत्व:

1. **महामारियों को रोकने में सहायक।**
2. **पशुजन्य रोगों (Zoonotic Diseases) की रोकथाम।**
3. **पर्यावरण और जैव विविधता की सुरक्षा।**
4. **वैश्विक स्वास्थ्य नीतियों को मजबूत करना।**

126. ग्रीनहाउस गैसों का स्रोत क्या है और इन्हें कम करने के उपाय क्या हैं?

उत्तर: ग्रीनहाउस गैसें वे गैसें होती हैं जो पृथ्वी के वातावरण में गर्मी को रोककर तापमान बढ़ाने का काम करती हैं।
मुख्य स्रोत:

1. **कोयला, पेट्रोल, डीजल जैसे जीवाश्म ईंधन का जलना।**
2. **औद्योगिक उत्सर्जन और कारखानों से निकलने वाला धुआँ।**
3. **कृषि में नाइट्रस ऑक्साइड और मीथेन का उत्सर्जन।**
4. **कचरे से निकलने वाली गैसें (लैंडफिल गैस)।**

इन्हें कम करने के उपाय:

1. **नवीकरणीय ऊर्जा (सौर, पवन) का उपयोग करें।**

2. **वाहनों में इलेक्ट्रिक या हाइब्रिड विकल्प अपनाएँ।**
3. **ऊर्जा दक्षता बढ़ाएँ, LED बल्ब और ऊर्जा बचाने वाले उपकरणों का उपयोग करें।**
4. **पेड़ लगाएँ और वन संरक्षण को बढ़ावा दें।**

127. कार्बन क्रेडिट (Carbon Credit) क्या होता है?

उत्तर: कार्बन क्रेडिट एक **प्रमाणपत्र (certificate) होता है जो दर्शाता है कि किसी संगठन या देश ने एक टन कार्बन डाइऑक्साइड या अन्य ग्रीनहाउस गैसों के उत्सर्जन को कम किया है**।
महत्व:

1. **पर्यावरणीय संतुलन बनाए रखने में मदद करता है।**
2. **कंपनियों को कम कार्बन उत्सर्जन के लिए प्रोत्साहित करता है।**
3. **वैश्विक जलवायु परिवर्तन से लड़ने में सहायक होता है।**

128. जल संरक्षण को बढ़ावा देने के लिए कौन-कौन सी पारंपरिक भारतीय विधियाँ उपयोगी हैं?

उत्तर:

1. **बावड़ी और कुएँ:** पानी इकट्ठा करने की प्राचीन तकनीक।
2. **चेक डैम और जलाशय:** वर्षा जल संचयन के लिए छोटे बांध।
3. **कुंड (राजस्थान):** सूखे क्षेत्रों में पानी एकत्र करने की परंपरा।
4. **झीलें और तालाब:** जल संचयन के लिए प्राकृतिक जल स्रोत।
5. **जोहर (हरियाणा और राजस्थान):** वर्षा जल संचयन के लिए मिट्टी के तालाब।

129. बायोडिग्रेडेबल और नॉन-बायोडिग्रेडेबल कचरे में क्या अंतर है?

उत्तर:

- **बायोडिग्रेडेबल कचरा:** यह प्राकृतिक रूप से सड़कर पर्यावरण में मिल जाता है, जैसे – फल, सब्जी, कागज, गोबर।
- **नॉन-बायोडिग्रेडेबल कचरा:** यह प्राकृतिक रूप से नहीं सड़ता और लंबे समय तक पर्यावरण में बना रहता है, जैसे – प्लास्टिक, धातु, कांच, ई-कचरा।

नॉन-बायोडिग्रेडेबल कचरे को कम करने के उपाय:

1. **प्लास्टिक की जगह कपड़े या जूट के बैग का उपयोग करें।**
2. **ई-कचरे को रिसाइक्लिंग केंद्रों पर दें।**
3. **कचरे को कम करने और पुनः उपयोग करने की आदत डालें।**

130. अपशिष्ट प्रबंधन (Waste Management) क्या है और इसके चरण क्या हैं?

उत्तर: अपशिष्ट प्रबंधन वह प्रक्रिया है जिसके तहत **कचरे को एकत्रित किया जाता है, उसका पुनः उपयोग, पुनर्चक्रण (recycling) या उचित निपटान (disposal) किया जाता है**।
मुख्य चरण:

1. **कचरे का संग्रह (Collection)।**
2. **छँटाई (Sorting) – बायोडिग्रेडेबल और नॉन-बायोडिग्रेडेबल।**
3. **पुनर्चक्रण (Recycling) – प्लास्टिक, कांच और धातु का पुनः उपयोग।**
4. **कचरे का निपटान (Disposal) – लैंडफिल या जलाने की प्रक्रिया।**

131. भारत में वनों की कटाई रोकने के लिए कौन-कौन से कानून बनाए गए हैं?

उत्तर:

1. **भारतीय वन अधिनियम, 1927** – वनों के संरक्षण के लिए।
2. **वन संरक्षण अधिनियम, 1980** – वनों को गैर-वन उद्देश्यों के लिए उपयोग करने से रोकने के लिए।
3. **जैव विविधता अधिनियम, 2002** – पारिस्थितिकी तंत्र की रक्षा के लिए।
4. **पर्यावरण संरक्षण अधिनियम, 1986** – प्रदूषण और वनों की कटाई को रोकने के लिए।

132. भारत में वायु गुणवत्ता सूचकांक (AQI) क्या है और यह कैसे काम करता है?

उत्तर:
AQI एक मानक पैमाना है जो हवा में प्रदूषण की मात्रा को दर्शाता है।
AQI श्रेणियाँ:

- **0-50:** अच्छा (Good)
- **51-100:** संतोषजनक (Satisfactory)
- **101-200:** मध्यम (Moderate)
- **201-300:** खराब (Poor)
- **301-400:** बहुत खराब (Very Poor)
- **401-500:** खतरनाक (Severe)

उच्च AQI से बचने के उपाय:

1. **वाहनों का कम उपयोग करें और सार्वजनिक परिवहन अपनाएँ।**
2. **उद्योगों के लिए सख्त उत्सर्जन नियंत्रण लागू करें।**
3. **वृक्षारोपण और हरे भरे क्षेत्र बढ़ाएँ।**

133. जलवायु परिवर्तन का कृषि पर क्या प्रभाव पड़ता है?

उत्तर:

1. **फसलों की पैदावार में गिरावट होती है।**
2. **अनियमित वर्षा से बाढ़ और सूखा बढ़ता है।**
3. **कीट और रोगों में वृद्धि होती है।**
4. **मिट्टी की गुणवत्ता खराब होती है।**
5. **खेती की लागत बढ़ जाती है।**

134. शहरीकरण से पर्यावरण पर क्या प्रभाव पड़ता है?

उत्तर:

1. **वृक्षों की कटाई और हरित क्षेत्रों की कमी।**
2. **वायु और जल प्रदूषण में वृद्धि।**
3. **भूमि क्षरण और प्राकृतिक संसाधनों की अत्यधिक खपत।**
4. **अतिरिक्त कचरा और अपशिष्ट प्रबंधन की समस्या।**
5. **जैव विविधता का नुकसान।**

135. “क्लाइमेट रेजिलिएंस” (Climate Resilience) क्या है और यह क्यों जरूरी है?

उत्तर:
क्लाइमेट रेजिलिएंस का अर्थ है **जलवायु परिवर्तन से उत्पन्न खतरों को सहन करने और उनसे निपटने की क्षमता**।
जरूरत:

1. **प्राकृतिक आपदाओं से बचाव।**
2. **खेती और खाद्य सुरक्षा बनाए रखना।**
3. **नवीकरणीय ऊर्जा को अपनाना।**
4. **शहरों को जलवायु अनुकूल बनाना।**

136. ओजोन परत क्षरण (Ozone Layer Depletion) के कारण और समाधान क्या हैं?

उत्तर:
मुख्य कारण:

1. **क्लोरोफ्लोरोकार्बन (CFCs) गैस का उपयोग।**
2. **एरोसोल स्प्रे और रेफ्रिजरेंट्स से उत्सर्जन।**
3. **उद्योगों और वाहनों से निकलने वाली गैसें।**

समाधान:

1. **CFCs के उपयोग पर प्रतिबंध।**
2. **इको-फ्रेंडली रेफ्रिजरेंट्स अपनाना।**
3. **मॉन्ट्रियल प्रोटोकॉल जैसे समझौतों का पालन।**
4. **पेड़-पौधों का संरक्षण और अधिक वृक्षारोपण।**

137. पृथ्वी दिवस (Earth Day) क्या है और इसे क्यों मनाया जाता है?

उत्तर: पृथ्वी दिवस हर साल **22 अप्रैल** को मनाया जाता है ताकि **पर्यावरण संरक्षण और जलवायु परिवर्तन के प्रति जागरूकता बढ़ाई जा सके**।
महत्व:

1. **लोगों को पर्यावरणीय समस्याओं के प्रति जागरूक करना।**
2. **वृक्षारोपण और स्वच्छता अभियानों को बढ़ावा देना।**
3. **प्लास्टिक कचरे को कम करने और रिसाइक्लिंग को प्रोत्साहित करना।**
4. **सरकारों को पर्यावरण अनुकूल नीतियाँ अपनाने के लिए प्रेरित करना।**

138. पर्यावरणीय प्रभाव आकलन (Environmental Impact Assessment - EIA) क्या है?

उत्तर: EIA एक **प्रक्रिया है जिसके तहत किसी भी बड़े औद्योगिक या निर्माण परियोजना से पर्यावरण पर पड़ने वाले प्रभावों का मूल्यांकन किया जाता है**।
EIA के मुख्य चरण:

1. **स्क्रीनिंग:** परियोजना की प्रारंभिक जाँच।
2. **स्कोपिंग:** संभावित प्रभावों की पहचान।
3. **प्रभाव आकलन:** पर्यावरण पर असर का विश्लेषण।
4. **जनसुनवाई:** स्थानीय समुदायों की राय लेना।
5. **निर्णय:** सरकार द्वारा परियोजना को अनुमति देना या अस्वीकार करना।

139. जलवायु परिवर्तन पर पेरिस समझौता (Paris Agreement) क्या है?

उत्तर: पेरिस समझौता **2015 में हुआ एक वैश्विक समझौता है जिसका उद्देश्य वैश्विक तापमान वृद्धि को 1.5°C तक सीमित रखना है**।
मुख्य बिंदु:

1. **कार्बन उत्सर्जन को कम करना।**
2. **हरित ऊर्जा (Green Energy) को बढ़ावा देना।**
3. **विकासशील देशों को जलवायु वित्त (Climate Finance) प्रदान करना।**
4. **2030 और 2050 तक नेट-जीरो उत्सर्जन का लक्ष्य।**

140. सतत विकास लक्ष्यों (Sustainable Development Goals - SDGs) में पर्यावरण से संबंधित कौन-कौन से लक्ष्य शामिल हैं?

उत्तर: संयुक्त राष्ट्र द्वारा निर्धारित **17 सतत विकास लक्ष्यों (SDGs) में से कई पर्यावरण संरक्षण से जुड़े हैं**।
मुख्य लक्ष्य:

1. **SDG 6 – स्वच्छ जल और स्वच्छता।**
2. **SDG 7 – सस्ती और स्वच्छ ऊर्जा।**
3. **SDG 11 – सतत शहर और समुदाय।**
4. **SDG 12 – जिम्मेदार उपभोग और उत्पादन।**
5. **SDG 13 – जलवायु परिवर्तन से निपटना।**
6. **SDG 14 – जल जीवन (समुद्रों और नदियों की सुरक्षा)।**
7. **SDG 15 – भूमि जीवन (वनों और जैव विविधता का संरक्षण)।**

141. प्लास्टिक प्रदूषण को कम करने के लिए कौन-कौन से उपाय किए जा सकते हैं?

उत्तर:

1. **सिंगल-यूज़ प्लास्टिक (Single-use plastic) पर प्रतिबंध।**
2. **कपड़े और जूट के बैग का उपयोग बढ़ावा देना।**
3. **बायोडिग्रेडेबल प्लास्टिक के विकल्प अपनाना।**
4. **प्लास्टिक अपशिष्ट के पुनर्चक्रण (Recycling) को बढ़ावा देना।**
5. **सरकार द्वारा कठोर नियम और जागरूकता अभियान।**

142. गंगा नदी की सफाई के लिए कौन-कौन से सरकारी प्रयास किए गए हैं?

उत्तर:

1. **नमामि गंगे योजना (2014):** गंगा नदी की सफाई और पुनर्जीवन के लिए।
2. **गंगा कार्य योजना (1986):** गंगा के जल को स्वच्छ बनाने के लिए।
3. **राष्ट्रीय गंगा परिषद:** गंगा नदी संरक्षण के लिए नीतियाँ बनाने वाली संस्था।
4. **औद्योगिक अपशिष्ट प्रबंधन:** गंगा में औद्योगिक कचरे को रोकने के लिए सख्त नियम।

143. क्या है जलवायु न्याय (Climate Justice)?

उत्तर: जलवायु न्याय का अर्थ है कि **जलवायु परिवर्तन से सबसे अधिक प्रभावित गरीब और कमजोर समुदायों को उचित मुआवजा और सहायता मिलनी चाहिए**।

महत्व:

1. **जलवायु परिवर्तन के लिए जिम्मेदार विकसित देशों को अधिक योगदान देना चाहिए।**
2. **विकासशील देशों को वित्तीय और तकनीकी सहायता मिलनी चाहिए।**
3. **प्राकृतिक आपदाओं से प्रभावित लोगों को पुनर्वास मिलना चाहिए।**

144. जैव विविधता हानि (Biodiversity Loss) के क्या कारण हैं?

उत्तर:

1. **वनों की कटाई और भूमि उपयोग परिवर्तन।**
2. **जलवायु परिवर्तन और बढ़ते तापमान।**
3. **अवैध शिकार और वन्यजीव व्यापार।**
4. **प्रदूषण और प्लास्टिक कचरे का बढ़ता उपयोग।**
5. **विदेशी आक्रामक प्रजातियों (Invasive Species) का प्रसार।**

145. वन्यजीव संरक्षण के लिए भारत में कौन-कौन से कानून और योजनाएँ लागू हैं?

उत्तर:

1. **वन्यजीव संरक्षण अधिनियम, 1972।**
2. **राष्ट्रीय जैव विविधता अधिनियम, 2002।**
3. **राष्ट्रीय उद्यान और अभयारण्य (Wildlife Sanctuaries & National Parks)।**
4. **प्रोजेक्ट टाइगर (1973) – बाघों की सुरक्षा के लिए।**
5. **प्रोजेक्ट एलिफेंट (1992) – हाथियों के संरक्षण के लिए।**

146. भारतीय वानिकी नीति (National Forest Policy) के प्रमुख लक्ष्य क्या हैं?

उत्तर:

1. **वन क्षेत्र को 33% तक बढ़ाने का लक्ष्य।**
2. **वन संसाधनों का सतत विकास।**
3. **आदिवासी और स्थानीय समुदायों की भागीदारी।**
4. **वन्यजीवों और पारिस्थितिकी का संरक्षण।**

147. नवीकरणीय ऊर्जा के प्रमुख स्रोत कौन-कौन से हैं?

उत्तर:

1. **सौर ऊर्जा (Solar Energy)।**
2. **पवन ऊर्जा (Wind Energy)।**
3. **जलविद्युत ऊर्जा (Hydropower)।**
4. **जैव ऊर्जा (Bio-energy)।**
5. **ज्वारीय और तरंग ऊर्जा (Tidal & Wave Energy)।**

148. जलवायु परिवर्तन से बचाव के लिए कौन-कौन सी वैश्विक पहलें चल रही हैं?

उत्तर:

1. **संयुक्त राष्ट्र जलवायु सम्मेलन (COP - Conference of Parties)।**
2. **क्योटो प्रोटोकॉल (Kyoto Protocol)।**
3. **पेरिस समझौता (Paris Agreement)।**
4. **IPCC (Intergovernmental Panel on Climate Change) की रिपोर्ट।**

149. वृक्षारोपण के क्या लाभ हैं?

उत्तर:

1. **कार्बन डाइऑक्साइड को अवशोषित कर जलवायु परिवर्तन को रोकता है।**
2. **मिट्टी के कटाव को रोकता है।**
3. **जैव विविधता को बनाए रखता है।**
4. **वर्षा के चक्र को बनाए रखने में मदद करता है।**
5. **मानव स्वास्थ्य और मानसिक शांति में सुधार करता है।**

150. सतत जीवनशैली (Sustainable Living) के लिए क्या कदम उठाए जा सकते हैं?

उत्तर:

1. **कम कार्बन फुटप्रिंट वाला जीवन अपनाएँ।**
2. **अपशिष्ट कम करें और पुनः उपयोग करें।**
3. **नवीकरणीय ऊर्जा का उपयोग करें।**
4. **स्थानीय और जैविक खाद्य पदार्थ खाएँ।**
5. **सार्वजनिक परिवहन और साइकिल का अधिक उपयोग करें।**